

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 1, 1978 (चैत्र 11, 1900)

No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 1, 1978 (CHAITRA 11, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० पी० 676/—प्रशा० 1:—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री एन० एस० जैन को राष्ट्रपति द्वारा 28-2-1978 के अपराह्न से निवृत्त आयु होने के बाद सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान की गई है।

दिनांक 6 मार्च 1978

सं० ए० 32013/3/76—प्रशा० 1:—इस कार्यालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 23-1-78 के प्रत्यक्षम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री प्रार० एस० प्रह्लुवालिया को राष्ट्रपति द्वारा 1-2-78 से 28-2-78 तक की अवधि के लिए अवाकाश आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थं ग्राधार में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ए० 7 प्रा० 1 सी० टी० 41:—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रत्द द्वारा श्री के० सी० दुबे, भारतीय सिविल लेखा सेवा के अधिकारी, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 4 मार्च, 1978 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्थ रूप से विभागीय जांच आयुक्त अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 87 आर० सी० टी० 28:—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त प्रत्द द्वारा श्री एच० एस० राठौर, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थायी सचायक, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में 1 मार्च 1978 से 10 अप्रैल 1978 तक, या अगले आदेश तक जो भी पहले हो, स्थानापन्थ से अनुभाग अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री निवास, अवर सचिव
हृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1978

सं० ए०-१९०४/२/७८-प्रशासन-५:—गृह मंत्रालय से स्थानांतरण हो जाने पर, श्री जरनेल सिह, अबर सचिव, गृह मंत्रालय, मैं दिनांक ६-३-७८ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, मुख्यालय, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

श्री ए० के० हुइ ने दिनांक ६-३-१९७८ के पूर्वाह्न में प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के पद का कार्यभार स्थाग दिया। उनकी सेवाएँ गृह मंत्रालय को वापस सौंप दी गई।

वी० पी० पांडे,
प्रशासन अधिकारी (लेखा)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-११०००१, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ०-II-१०४२/७५-स्थापना:—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर निवारन मोहन्ती, तदर्थ रूप में नियुक्त चिकित्सा अधिकारी, वेस हास्पिटल नई दिल्ली का स्थागपत्र दिनांक १३-२-१९७८ अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्द्योपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारत के महापंजीयक का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० १०/१३/७६-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार और प्रदेश ने जनगणना आयुक्त के कार्यालय में अन्वेषक और उत्तर प्रदेश में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में इस समय तदर्थ आधीर पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री आर० के० भाटिया को उसी कार्यालय में तारीख ४ फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय लखनऊ में ही रहेगा।

2. उन्होंने उसी तारीख से तदर्थ आधार पर धारित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० १०/१३/७६-प्रशा० I:—राष्ट्रपति, जम्मू और काशीर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक और इस समय तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एच० के० कल्ला को उसी कार्यालय में तारीख १३ फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित

आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री कल्ला का मुख्यालय श्रीनगर में ही रहेगा।

3. उन्होंने उसी तारीख से तदर्थ आधार पर धारित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

सं० १०/१३/७६-प्रशासन-I:—राष्ट्रपति, असम में जनगणना विदेशक के कार्यालय में अन्वेषक और इस समय तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री के० एस० डे को उसी कार्यालय में तारीख ६ फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक नियमित आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री डे का मुख्यालय गोहाटी में ही रहेगा।

3. उन्होंने उसी तारीख से तदर्थ आधार पर धारित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक ९ मार्च 1978

सं० १०/१३/७६-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, कार्यालय जनगणना कार्य, निदेशालय, बिहार (पटना) में श्री राम बहादुर सिंह, अन्वेषक को उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर, नियमित तथा अस्थायी तौर पर तारीख १७ फरवरी, 1978, पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० १०/१३/७६-प्रशा०-I:—राष्ट्रपति, कार्यालय जनगणना निदेशालय, उड़ीसा (कटक) में श्री एल० के० श्वेत, अन्वेषक को उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर, नियमित तथा अस्थायी तौर पर तारीख १८ फरवरी १९७८ पूर्वाह्न से अगले आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बड़ी नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार,
तथा पदेन उपसचिव

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-७०००६९, दिनांक 2 मार्च 1978

सं० ५/७८/ए०/ई०/I:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्री नारायण दास चौधुरी, मौलिक एवं स्थायी, सहायक स्टाफ अफसर दिनांक २८-२-१९७८ (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० ६/७८/ए०/ई०/I:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री गोविन्द चन्द्र भट्टाचार्य, मौलिक एवं स्थायी, सहायक स्टाफ अफसर दिनांक २८-२-१९७८ (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती,
सहायक महानिदेशक (प्रशासन-II),
कृते महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरिया

भारतीय आर्डनेन्स फेक्टरिया सेवा
महानिदेशालय, आर्डनेन्स फेक्टरिया
कलकत्ता, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० 4/जी०/78:—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एल० आई० एस० हेतरी, स्थानापन्थ प्रबन्धक (स्थायी एवं मौलिक उप-प्रबन्धक) दिनांक 30-11-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 5/जी०/78:—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी० डी० कपूर, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन) दिनांक 31-12-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 6/जी०/78:—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० गण० गुप्ता, स्थानापन्थ प्रबन्धक (मौलिक उप प्रबन्धक) दिनांक 28-2-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 7/जी०/78:—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री बी० पी० सक्सेना, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 8/जी०/78:—ग्रदकाश-प्राप्ति-पूर्व छुट्टी की समाप्ति पर, श्री एस० सोतारामन्, स्थानापन्थ सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टोर होल्डर) दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 9/जी०/78:—वार्धक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर, श्री बी० पी० श्रोतारामत, स्थानापन्थ स्टाफ अफसर ग्रेड-II/सहायक प्रबन्धक (स्थायी स्टोर होल्डर) दिनांक 31-7-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 10/78/जी०:—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एच० के० लाहिड़ा, स्थानापन्थ टी० एस० ओ० (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31-12-1977 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फेक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1978
आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1019/74-प्रशासन(राज०)/2159:—सेवा निवृत्ति की आयु पूरी होने पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-4 के स्थायी अधिकारी श्री एस० आर० अंत्री ने 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न को इस कार्यालय में नियन्त्रक, आयात-निर्यात के पद का कार्य-भार छोड़ दिया।

का० बे० शेषाद्रि,
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्रौद्धोगिक विकास विभाग
कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 12/703/71-प्रशासन (राजपत्रित):—योजना आयोग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के रूप में स्थानान्तरित होने के परिणामस्वरूप भारतीय अर्थ सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री बी० एन० नानू ने दिनांक 15-2-1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना, के उप-निदेशक (ग्राम्यिक अन्वेषण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 फरवरी, 1978

सं० 19018(329)/77-प्रशासन (राजपत्रित) :—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी० श्री चन्द्री चरन मुखर्जी को दिनांक 27 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रामे आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) पद का कार्यभार ग्रहण करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री चन्द्री चरन, मुखर्जी, जै. श. बा., लघु उद्योग सेवा संस्थान, इम्फाल में दिनांक 27 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रामे आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (इलेक्ट्रोनिक्स) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 फरवरी, 1978

सं० ए०-19018(312)/77-प्रशासन (राजपत्रित) :—संघ लोक सेवा आयोग को संस्तुतियों के आधार पर श्री कुमार सद्यनारायण को राष्ट्रपति जी० दिनांक 13 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रामे आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री कुमार सद्यनारायण जै. दिनांक 13 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, मारगाव-गांग्रा में उप-निदेशक (ग्रेड-I) (इलेक्ट्रोनिक्स) पद के कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018/322/77-प्रशासन (राजपत्रित) :—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर राष्ट्रपति जी० श्री के० ए० मैथ्यू को दिनांक पहली फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से ग्रामे आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री के० ए० मैथ्यू ने शाखा, लघु उद्योग सेवा संस्थान, मुजफ्फरपुर में दिनांक पहली फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (रसायन) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक २८ फरवरी १९७८

सं० १२(६७६)/७१-प्रशासन (राजपत्रित) :—विकास आयुष्ट (लघु उच्चोग) के कार्यालय के श्री जी० रामन ने दिनांक पहली जनवरी, १९७८ (पूर्वाह्न) से श्रीदेवीगिरि सलाहकार (आधुनिकीकरण) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा कार्यालय, विकास आयुष्ट (लघु उच्चोग), नई दिल्ली में दिनांक पहली जनवरी, १९७८ (पूर्वाह्न) से निदेशक (प्रेड-I) (यांत्रिक) पद का कार्यभार अपूर्ण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु,
उप निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक ९ मार्च १९७८

सं० ई०-II(७) :—इस विभाग के ११ जुलाई, १९६९ के अधिसूचना सं० ई० II(७) में श्रेणी २—नाइट्रोट मिश्रण के अधीन अंतिःक्रिया “फ्ल्यूरेक्स” के पश्चात् “सेफल्वास्ट” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक ७ मार्च १९७८

सं० प्र०-१/१(१०७२) :—कनिष्ठ खेत्र अधिकारी के पद पर अवस्थि होने पर श्री हुक्म सिंह ने २८-२-१९७८ के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

सं० प्र०-१/१(११०५) :—अधीक्षक (अधीक्षण स्तर) (II) के पद पर अवनति होने पर श्री ज्ञान चन्द्र ने २८-२-१९७८ के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (प्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

सं० प्र०-१/१(११०७) :—कनिष्ठ प्रगति अधिकारी के पद हस्त अवनति होने पर श्री जसीराम ने २८-२-१९७८ के अपराह्न से पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (प्रेड-II) का पद भार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश,
उप निदेशक (प्रशासन),
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-७०००१६, दिनांक ४ मार्च, १९७८

सं० १९१६/बी०/३०/७५/१९ सी० :—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त अस्थायी अधिकारियों को सहायक भूभौतिकी-

विद् की श्रेणी में प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथियों से स्थायीबत् घोषित किया जा रहा है :—

क्र० सं०	नाम	स्थायीबत् घोषित करने की तिथि
१.	डा० पी० डी० वेकटेश्वरलू	२९-४-७४
२.	श्री एम० पी० मैथ्यू	२-१२-७३
३.	श्री आर० क० मजुमदार	३०-८-७६
४.	श्री डी० पी० एस० चौहान	२४-९-७६
५.	श्री एस० रमन	१-३-७७
६.	श्री आर० ए० तिवारी	५-९-७६
७.	श्री ए० बागची	२२-११-७६
८.	श्री ए० पी० दास	३०-८-७६
९.	श्री ई० एस० बोहरा	१०-९-७६
१०.	डा० बी० डी० अग्रवाल	१५-३-७७
११.	श्री अमरेण चक्रवर्ती	३०-८-७६
१२.	श्री सी० रामचन्द्रन	१९-११-७६
१३.	श्री एन० श्रीराम मूर्ती	५-१२-७६
१४.	श्री य० क० विश्वास	४-२-७७
१५.	श्री जी० कामेश्वर राव	१३-३-७७
१६.	श्री रघुनाथ मुखर्जी	२६-११-७६
१७.	श्री एम० अंगलानी	१-२-७७
१८.	श्री आर० पी० सिंह	२-११-७६
१९.	श्री एस० पाला शंकरम्	२०-२-७७
२०.	श्री आर० सी० पाठक	१-९-७६
२१.	श्री देवब्रत घोष	२-४-७७
२२.	श्री ए० क० लाहिरी	५-११-७६
२३.	श्री बी० पी० जोशी	१९-२-७२
२४.	श्री एल० क० दाम	११-१-७४
२५.	श्री आर० क० सरकार	१-१-७७
२६.	डा० एस० पी० दास गुप्ता	२०-१२-७६

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक १० फरवरी १९७८

सं० २९/७/७८-एस० दो० :—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री जी० बी० पटेल, आकाशवाणी के कृषि रेडियो रिपोर्टर को, १३-१-७८ (पूर्वाह्न) से, आकाशवाणी, बड़ीदा मे कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर अगले आदेशों तक, तदर्थं आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० क० बोस,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० 4/27/77-एस०-J—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री शुकदेव दास शास्त्री को आकाशवाणी जयपुर में 16 फरवरी, 1978 से अगले आदेशों तक कार्यश्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्दकिशोर भारद्वाज,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० 2/24/61-एस०-2—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० के० दासगुप्ता, कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी गौहाटी को, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी के रूप में, आकाशवाणी, कलकत्ता में, 28-12-77 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

सं० 19/6/77-स्टाफ-ओ—महानिदेशक, आकाशवाणी, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी नई दिल्ली में काम कर रहे निम्नलिखित वरिष्ठ ग्रेड आशुलिपिकों को, समाचार सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में, उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से, पूर्णतः तदर्थ आधार पर, रिपोर्टर (अनुश्रवण) के पद पर, स्थानापन्थ रूप से, नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| 1. श्री डी० एस० भेहरा | 14-2-78 (पूर्वाह्न) |
| 2. श्री अमर सिंह | 20-2-78 (पूर्वाह्न) |

दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 1/5/78-एस०-2—श्री पी० दोरायस्वामी, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क मंडल, मद्रास को दिनांक 28-1-78 (अपराह्न) से अगले आदेशों तक, केन्द्रीय अधिभयता (दक्षिण), आकाशवाणी, मद्रास में लेखा अधिकारी के पद पर, प्रतिनियुक्ति पर, 840-1200 रुपये के बेतनमान में नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० सेपाद्धि,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

बम्बई-400026, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० ए-12026/7/75-सिवन्दी-I—श्री एम० के० जैन, स्थानापन्थ सहायक प्रशासकीय अधिकारी फिल्म प्रभाग बम्बई को मजर की हुई छुट्टी खत्म होने के कारण श्री व्ही आर० पेसवानी स्थानापन्थ सहायक प्रशासकीय अधिकारी दिनांक 24-2-1978 के अपराह्न से अधीक्षक के स्थायी पद पर प्रत्यार्थित हो गये।

दिनांक 7 मार्च 1978

सं० 7/पी० एफ० II/48-सिवन्दी-I—सेवा निवृत्ति की आयु ने के कारण श्री एल० टी० फर्नन्डोस, स्थानापन्थ शाखा प्रबंधक

फिल्म प्रभाग बम्बई, दिनांक 28-2-1978 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

एम० चन्द्रन नायर,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० ए० 19019/22/77-के० स० स्वा० यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० श्याम मोहन को 26 मार्च, 1977 पूर्वाह्न से केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयुर्वेदिक फिजीशियन के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

एन० एस० भाटिया,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ए० 32012/7/76-(जे० श्राई० पी०)/प्रशासन I—राष्ट्रपति ने श्री एम० रामास्वामी को 31 जनवरी, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में वैज्ञानिक अधिकारी-महट्यूटर के पद पर अस्थायी आधार पर नियक्त किया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन
(सं० व प०)

कृषि और सिचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० मि० 2-13/77-स्था० (I)—श्री कृष्ण कुमार शर्मा महायक प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्ति 28 फरवरी, 78 से आगे 30 अप्रैल 78 तक कर दी गई है।

चन्द्र प्रकाश
प्रशासन निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई 400001, दिनांक 3 मार्च 1978

मं० क्रम नि० /2/1 (25) 77-संस्था/8821—इस कार्यालय की समस्याएँ अधिसूचना दिनांक 18 नवम्बर 1977 के तारतम्य में निदेशक क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग श्री जगन्नाथ गोपालमाठे सहायक लेखाकार को तदर्थ रूप से सहायक लेखा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए, इसी

निदेशालय में अग्रिम समय 27 जनवरी 1978 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 मार्च 1978

सं० क्रमनि०/२/१ (२५)/७७ संस्था/८९२८—इस निदेशालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनाक १८ जनवरी १९७८ के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री नेलुवाई हरिहर ऐयर कृष्णन इस निदेशालय के लेखाकार को सहायक लेखा अधिकारी के रूप में कार्य करने हेतु तदर्थ रूप से निदेशालय में आगामी २९ अप्रैल १९७८ तक नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
कृते प्रशासनिक अधिकारी

बम्बई ४००००१, दिनांक २८ फरवरी १९७८

सन्दर्भ : क्रमनि०/४१ (२)/७७-प्रशा०/७४८४—इस निदेशालय की समसंबद्धक अधिसूचना दिनांक २६ अगस्त और २६ अक्टूबर के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, केन्द्रीय भंडारयूनिट द्राम्बे में निम्नलिखित भंडारियों को तदर्थ रूप से सहायक भंडार अधिकारी के पद पर कार्य करने हेतु अग्रिम समय २९ अप्रैल १९७८ तक नियुक्त करते हैं।

१. श्री मिहिर चन्द्र राय
२. श्री मुलियापर्थराजू
३. श्री बसन्त यशवन्त गोखले

बी० जी० कुलकर्णी
सहायक कार्मिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक ३ मार्च १९७८

सं० ए० ३२०२३/१/७७/आर० ६३९३—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने लिखे पदों पर १९-१-१९७८ से १८-२-१९७८ तक की अवधि के लिए रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्थ रूप से नियुक्त करते हैं:—

नाम	पद, जिस पर नियुक्त किया गया
१. श्री आर० राजमणि (भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्थ सहायक लेखा अधिकारी)	लेखा अधिकारी-II
२. श्री क० एम० वेलायुधन (स्थानापन्थ सहायक लेखापाल)	सहायक लेखा अधिकारी

सर्वश्री आर० राजमणि तथा क० एम० वेलायुधन ने क्रमशः लेखा अधिकारी-II तथा सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार १८ फरवरी, १९७८ के अपराह्न में छोड़ दिया।

आर० एच० षंमुखम
प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन तथा नागर विमानन मन्त्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-३, दिनांक १० मार्च १९७८

सं० ई० (१) ०४२१७—निदेशक (कृषि मौसम विज्ञान) पुणे, भारत मौसम विज्ञान विभाग के कार्यालय में स्थानापन्थ सहायक मौसम विज्ञानी श्री वाई० एस० कोल्हातकर निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर ३१ जनवरी, १९७८ के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
कृते वैधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक १३ मार्च १९७८

सं० ए० ३२०१३/१/७७-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर नागर विमानन विभाग वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने दिनाक ३१ जनवरी, १९७८ (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है:

क्रम सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन
१.	श्री प्रीतपाल सिंह, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन सफदरजंग एयरपोर्ट नई दिल्ली।
२.	श्री क० एम० हेबले, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।
३.	श्री डी० सी० सरकार, सहायक तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक ३ मार्च १९७८

सं० ए० ३२०१३/६/७६-ई० एस०—इस कार्यालय की दिनांक १३ जनवरी, १९७८ की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/६/७६-ई० एस० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधि-

कारियों की विमान निरीक्षक के ग्रेड में तदर्थं नियुक्ति को 21 जून, 1978 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया है ।—

क्रम सं०	नाम
1.	श्री ललित मोहन माथुर
2.	श्री हरिहर प्रसाद
3.	श्री रमेश नारायण शास्त्री

सं० ए० 32013/6/76-ई० एस०—दृग कार्यालय की दिनांक 22 अक्टूबर, 1977 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/76-ई० एस० के क्रममें राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की विमान निरीक्षक के ग्रेड में तदर्थं नियुक्ति को छं मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया है ।

क्रम सं०	नाम
1.	श्री अनुपम बागची
2.	श्री एस० मजूमदार
3.	श्री एच० एम० फूल
4.	श्री एल० ए० महालिगम
5.	श्री ए० के० राय
6.	श्री एस० पी० मिह
7.	श्री डी० पी० घोष

सुरजीत साल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1978

सं० ए० 32013/14/77-ई० I—राष्ट्रपति ने श्री पी० के० रामाचन्द्रन, निदेशक विमानमार्ग एवं विमानक्षेत्र (परिचालन) और अन्तर्राष्ट्रीय सिविल विमान संगठन की परिषद में भारत के प्रतिनिधि को दिनांक 23 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से उपमहानिदेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के रूप में नियुक्त किया है ।

प्रेम चन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के रूप में तदर्थं नियुक्ति को दिनांक 1 जनवरी, 1978 से

तान माह की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्थेशन
1.	श्री जे० एस० आर० के० शर्मा,	मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास,
2.	श्री एम० पी० जैन	सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली
3.	श्री अमीर चन्द	चंडीगढ़

सं० ए० 32013/2/78-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री ए० के० ओसवाल, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी, कलकत्ता एयरपोर्ट, दिनांक 21 फरवरी, 1978 अपराह्न में सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्थीकार कर लिया है ।

विष्व विनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 मार्च, 1978

सं० 1/98/78-स्था०—श्री जी० एस० चतवाल, तकनिकी महायक, नई दिल्ली शाखा, को 2-7-77 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक विदेश संचार भवन, नई दिल्ली में स्थानापन्न तौर पर सहायक अधियंता नियुक्त किया जाता है ।

पु० ग० वामले
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 1/183/78-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मद्रास शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० एस० राव को अल्पकालिक रिकल स्थान पर 7-11-77 से 24-11-77 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं ।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
हृते महानिदेशक

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 16/255/77-स्थापना-I—वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, के अनुसन्धान अधिकारी डा०

आर० एन० छिक्कर, ने दिनांक 31 दिसम्बर, 1977 के अपराह्न से अपना पद त्याग दिया है।

पी० आर० के० भटनागर,
कृते कुल सचिव

समाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नागपुर, दिनांक 8 मार्च, 1978

क्रमांक 1/78—श्री जे० के० अहिर, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ने, उनकी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्नति होने पर, दिनांक 10-1-1978 के पूर्वाह्न से लेखा परीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मुख्यालय) नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

क्र० 3/78—श्री व्ही० बी० हिंगे (प्रवर श्रेणी) निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ने उनकी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्नति होने पर, श्री बी० सिंह, अधीक्षक, जिनका इन्दौर समाहर्ता थेट में रायगढ़ को स्थानांतर हुआ है को कार्यभार मुक्त कर, दिनांक 23-1-1978 के पूर्वाह्न में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुपदीय अधिकारी रेज, कामठी का कार्यभार संभाल लिया।

माधव पहुलकर,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय,
पटना, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० मि० 11 (7) 2-स्था०/78-3028—श्री एम० पी० सिंह, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी ‘बी’ जो इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 179/77 दिनांक 18-7-77 के अनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाने के लिए अधीक्षक (सांख्यिकी) केन्द्रीय उत्पाद (मुख्यालय), पटना के पद से कार्यभार मुक्त हुए, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर दिनांक 31-12-77 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

सं० मि० 11 (7) 2-स्था०/78/-3029—श्री टी० एस० वर्मा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी, ‘बी’ जो इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 216/77 दिनांक 19-8-77 के अनुसार सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर जाने के लिए अधीक्षक (तकनीकी) सीमा शुल्क पटना के पद से कार्यभार मुक्त हुए, सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर दिनांक 31-12-77 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 13 मार्च 78

सं० मि० 11 (7) 1-स्था०/77-3046—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 327/77 दिनांक 8-12-77 के अनुसार निम्नलिखित निरीक्षकों को रु 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/-तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न

अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क श्रेणी ‘बी’ के रूप में प्रोन्नति किया गया। इस आदेश के अनुसरण में इन्होंने नीचे दिए गए स्थान, तिथि और समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

क्र०	नाम	जहां पदस्थापित किए गए	कार्यग्रहण तिथि
1.	श्री हृदय नारायण	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद जांकीपुर-1 रेज	26-12-77
2.	श्री सी० के० शा	अधीक्षक (नि�०) केन्द्रीय पूर्णिया	18-1-78

ह० अपठनीय
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० 10-4/75 सी० एच० (ई०)—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर निम्नलिखित अधिकारियों की तदर्थ तौर पर सहायक जल भू-विज्ञानी के पद पर वेतनमान रूपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पदोन्नति 20-1-78 से एतद्वारा नियमित की जाती है:—

1. डा० ए० एन० लाल
2. श्री जी० विजय रेड्डी
3. श्री सुभाष दत्ता
4. श्री एस० के० बंसल
5. श्री एम० बी० राव

इनकी पदोन्नति 20-1-78 से दो साल की परिवीक्षा काल के लिए की जाती है और सम्बद्ध अधिकारी की इच्छा पर बढ़ाई जा सकती है। उनकी नियुक्ति की अन्य शर्तें वही रहेंगी।

बी० के० ववेजा
मुख्य जल भू-विज्ञानिक
एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च, 1978

सं० 27-सी०/एस० (2)/76-ई० सी० II—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अस्थायी मुख्य हंजीनियर श्री एन० बी० शास्त्री के दिनांक 20 जनवरी, 1978 के सेवा से निवृत्त होने के नोटिस को स्वीकार कर लिया है। तदनुसार श्री शास्त्री 31 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से सेवा से निवृत्त हुए।

सू० सू० प्रकाश राव,
प्रशासन उप निदेशक

भारतीय रेल

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

चित्तरंजन, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० जी० एम० ए०/जी० एस०/८ (मेड)---इस प्रशासन के डाक्टर सी० एम० दत्त, स्थानापन्थ जिला चिकित्सा अधिकारी की चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना के चिकित्सा विभाग के संबंध में प्रथम श्रेणी की सेवा में सहायक जिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर तारीख 01-01-1973 (पूर्वाह्न) से स्थायी किया जाता है।

के० एम० रामास्वामी
महाप्रबन्धक

दस्तिण पूर्व रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय

कलकत्ता-43, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० पी०/जी०/14/300 ई०---कार्मिक शाखा के स्थानापन्थ श्रेणी II अधिकारी श्री जी० टी० राजन, का उक्त पद पर दिनांक 1 फरवरी, 1976 से पुष्टीकरण किया जाना है तथा सिविल इंजीनियरिंग विभाग में उनका नियन्त्रण किया जाता है।

जगदीश नारायण कोहली
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी-कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और विशिष्ट चिट फन्ड एन्ड फाइनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड
जालन्धर, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० जी०/स्टेट/560/3235/13397---कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर विशिष्ट चिट फन्ड एन्ड फाइनेंस कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हिन्दू पब्लिशर्स लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० जी०/स्टेट/560/1021/13412---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दू पब्लिशर्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पं०, हि० प्र० व चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और के० उमा होटेल
प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 8 मार्च 1978

सं० ए० 630/6844 (2)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उमा होटेल प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिलीप कुमार पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चटर्जी एंड चक्रवर्ती (पेपर) लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 9588/560 (3)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर चटर्जी एंड चक्रवर्ती (पेपर) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भिकटरी फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 2/275/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि भिकटरी फिल्म्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और नेपचुन इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 28261/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेपचुन इलेक्ट्रोनिक्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बोगरा कोल कॉ० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 28637/560 (5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बोगरा कोल कॉ० प्राईवेट लिमिटेड का

नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेगजेमिहारी कोल कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 28638/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नेगजेमिहारी कोल कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टागा कोल ट्रेडार्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 28639/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टागा कोल ट्रेडार्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और प्रिमियर पब्लिक क्लीनिक प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 29231/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रिमियर पब्लिक क्लीनिक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेस कुटी साउथ लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 29796/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा

यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन भास के अवसान पर पारेस कुटी साउथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दण्डित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै० किकि बाबा लोन्स प्राइवेट लिमिटेड (समापन में) के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० लिक्युडेशन/3264/4702—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० किकि बाबा लोन्स प्राइवेट लिमिटेड (समापन म) का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर० के० अरोड़ा
सहायक रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज
दिल्ली एवं हरियाणा

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-20, दिनांक 10 मार्च 1978

स० एफ० 48—ए० डी० (ए० टी०)/77—भा० II—
श्री एम० एम० प्रसाद, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, पटना न्यायपीठ, पटना अधिविधिता की आयु को प्राप्त होने पर 28 फरवरी, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

2. श्री यू० एन० कृष्णमूर्ति, सहायक पंजीकार, आय-कर अपील अधिकरण जयपुर न्यायपीठ, जयपुर अधिविधिता की आयु को प्राप्त होने पर 28 फरवरी, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

पी० डी० माथुर
अध्यक्ष

प्रलूप प्राई० टी० एन० एस०—
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 19 जनवरी 1978

निदेश सं० 64/77—78/प्राई० ए० सी० (ए० आर०)
बीबीएसआर/77—ग्रातः मुझे अमरेंद्र नाथ मिश्र,
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं०-1477 है, जो टाउन विजिनिवर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिला सबरजिस्ट्रार,
कटक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 4-7-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषासा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति स्वर्णलता देवी, स्वामी कलाकान्त महत्ती
(अन्तरक)
2. श्रीमति सुलोचना सिंह, स्वामी नरेंद्र कुमार सिंह
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रज्ञन के लिए
कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रज्ञन के समंज्ञ में कोई भी ग्राहकेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्राह्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त
ग्राह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान मौना-टाउन विजिनिवर, खाता नं०-1477 खसरा
नं०-1233 कटक में स्थित है। वह संपत्ति कटक, जिला-सब-रजिस्ट्रार
आफिस में 4-7-77 तारिख में रजिस्ट्रार हुआ, जिसके डाकुमेंट नं०-
3458 है।

अमरेंद्र नाथ मिश्र¹
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 19-1-1978

मोस्र :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च, 1978

निर्देश से० आई० ए० सी०/एक्य० II/1301/77-78--
ग्रतः मुझे एन० एस० चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खे के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 110/3 है तथा जो बनारसी दास ईस्टेट, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्येक में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. नाथु रा, (2) श्री मनोहर लाल, सुपुत्र श्री स्वर्गीय मखम लाल (3) श्री रामेश्वर दास, सुपुत्र श्री राथु राम, (4) श्री राजिन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री मोहन लाल (5) श्रीमति चलती देवी पत्नी श्री नाथु राम (6) श्रीमति राम मूर्ति, पत्नी श्री मनोहर लाल, सभी निवासी 110/3, बनारसी दास ईस्टेट, दिल्ली । अन्तरक

2. राम जीवन (2) श्री मोहन लाल, सुपुत्र श्री मोती लाल (3) श्रीमति मुन्दरदेवी, पत्नी श्री राम जीवन, (4) श्रीमति मुनम, पत्नी श्री मोहन लाल, सभी निवासी भगत स्ट्रीट, बामर (राजस्थान), (5) श्री चमपा लाल, (6) श्री तारा चन्द, सुपुत्र श्री मोती लाल, (7) श्रीमति गीता देवी, पत्नी श्री चमपा लाल, (8) श्रीमति कुमुम लता, पत्नी श्री तारा चन्द, सभी निवासी 7-बी, कोट लेन, सहगल कालोनी, सीविल लाईन्स, दिल्ली । (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला बिल्डिंग जिसमें बैसमेंट, गैराज तथा बाहरी मकान है, और भेत्रफल 1891.94 वर्ग गज है, जिसमें से 185 वर्ग गज भूमि सङ्कुचित खुली करने के लिए आरक्षित की है और प्लाट नं० 110/3 है, जिसमें बिजली तथा पानी के मीटर भी लगे हुए हैं, बनारसी दास ईस्टेट, तिमारपुर रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मैन तिमारपुर रोड

पश्चिम : 15 फुट चौड़ी सर्विस रोड

उत्तर : 25 फुट रोड

दक्षिण : प्लाट नं० 110/2 तथा खुला मैदान

एन० एस० चोपड़ा
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली,

दिनांक 13-3-1978

मोहर :

प्रलेप ग्राइंड टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269ए (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-II, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 14 मार्च 1978

निर्देश सं० ग्राइंड ए० सी०/एक्य०/II/1302/77-78—
अतः मुझे एन० एस० छोपड़ा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की घारा 269ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 3/23 है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया, कीर्तीनगर,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 15-7-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने की
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ए के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269ए की उपघारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. श्री जोगिंद्र सिंह, सुपुत्र श्री गुरदास राम, निवासी बीई०-
243 हरी नगर, नई दिल्ली जोकि श्रीमति करतार कौर, विधवा
पत्नी श्री हरनाम सिंह, (2) राजिंदर सिंह, (3) ओंकार सिंह के
रजिस्टर्ड जनरल अटारनी है।
(अन्तरक)

2. श्रीमति नासीब कौर, पत्नी श्री सर्वर्ण सिंह, निवासी एम०
एस०-99, हरी नगर, नई दिल्ली, (2) श्रीमती सुनीता रानी,
पत्नि श्री जोगिंद्र सिंह, निवासी बी० ई०-243, हरी नगर,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

3. मै० एस० एस० जे० एस० मकेनिकल वर्क्स (2) मै०
गैलांड इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन। (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रबोहों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित हिस्सा लीज-होल्ड जायदाद का जिसका नं०
3/23 है, और भेत्रफल 400 वर्ग गज है, लीज-होल्ड अधिकारों सहित
इन्डस्ट्रियल एरिया कीर्तीनगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित
है:—

पूर्व : 40' छोड़ी मुल्य रोड
पश्चिम : जायदाद नं० 3/2
उत्तर : जायदाद नं० 3/24
दक्षिण : जायदाद नं० 3/22

एन० एस० छोपड़ा
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 14 मार्च, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/1303/77—78 :—
यतः मुझे एन० एस० ओपड़ा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि 1/60, 1/61 है तथा जो जिलाउद्दीन-पुर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने परें सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्यातः—

1. श्री गोपाल दास, सुपुत्र श्री जय राम दास, निवासी डी-162, विवेक विहार, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मुशाव चन्द भट्टाचारी, सुपुत्र एल० नरसिंग दास, निवासी, एस-480, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका धेतरफल 26 बीमा तथा 16 बिसवा है और खसरान० 1/60(25—9) तथा 1/61(1—7) है, जिसाउद्दीन-पुर गांव शाहदरा, दिल्ली में है।

एन० एस० ओपड़ा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III दिल्ली-1

4/14क, आसफालीमार्ग, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च, 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/III/एस० आर०-III/
अगस्त/711(9)/77-78—अतः मुझे ए० एल० सूद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 8093/16 है तथा जो प्रभात रामड, करोल
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 10 अगस्त, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनशाम दास, कन्हिया तथा मोहिन लाल सुपुत्र श्री
दीप चन्द, निवासी ए-६ मैफेयर गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. कुमारी इन्दु सोबती तथा कुमारी कामिनी सोबती,
सुनुनी श्री ओम प्रकाश सोबती, निवासी १/७, मकान नं० ६१०८,
देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली (अंतरिती)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की प्रवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दाई मजिला बिल्डिंग जो कि 256.7 वर्ग गज क्षेत्रफल
के प्लाट पर लीज-होल्ड अधिकारी सहित बनी हुई है, जिसका म्यू-
निसिपल नं० 8093, वार्ड नं० 16 है, प्लाट नं० ५२/२५ है, प्रभात
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : रोड

पश्चिम : सर्विस रोड

उत्तर : रोड

दक्षिण : जायदाद नं० ५२/२४

ए० एल० सूद

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, नई दिल्ली-१

दिनांक 15 मार्च, 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1
4/14क, आसपफलीमार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च, 1978

निरेश सं० आई० ए० सी०/एस०/III/एस० आर०-III/
नवम्बर/1792/77-78—अतः मुझे ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० सी-20 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपागढ़ अनुसूची में पूर्व
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 15-11-1977

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त प्रतरग लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

1. श्री विजय कुमार अग्रवाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री दया राम,
(2) कुमारी अलका शिफाली अग्रवाल, सुपुत्री श्री विजय कुमार
अग्रवाल तथा एम० अदित्य अग्रवाल, सुपुत्र श्री विजय कुमार
अग्रवाल, निवासी जे-II, मालविया नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री अम्बा प्रसाद अग्रवाल, सुपुत्र स्वर्गीय श्री श्याम लाल
अग्रवाल तथा श्रीमति शांति अग्रवाल, पत्नी श्री अम्बा प्रसाद
अग्रवाल, निवासी एस-36, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहनेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिमाणित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक निवासी प्लाट जिसका क्षेत्रफल 291 वर्ग मीटर (348
वर्ग गज) है, और नं० 20, ब्लाक नं० 'सी' है, निवासी कालौनी ग्रीन
पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० सी-21
पश्चिम : मकान नं० सी-20 ए
उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : 36' चौड़ी मैन रोड

ग्रम्त लाल सूद
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

दिनांक 18 मार्च 1978

मोहर :

अर्जन रेंज II नई दिल्ली-1

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1

4/14क, आसफ़उली मार्क, नई दिल्ली ।
नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्स०/III/एस० आर०-III/
अगस्त/721(12) 77—78—अतः मुझे ए० एल० सूद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 29 है तथा जो पार्क एरिया, करोल बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 25 अगस्त, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाचत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दण्डित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्त्र प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अप्पियों, अपति:—

3—6GT/78

1. श्री एस० आगिया सिंह सुपुत्र श्री अनार सिंह, (2) एस०
त्रिवेदी सिंह (3) एस० पृथीपाल सिंह सुपुत्र सोहन सिंह, (4)
एस० मतनाम सिंह, (5) श्रीमति प्रेम कौर, (6) श्रीमति
अमरजीत कौर तथा एस० करम सिंह, अनार सिंह, चंचल सिंह
चैरीटैबल ट्रस्ट के संचालक, 29, पार्क एरिया, करोड़ बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री लोक नाथ जैन, सुपुत्र लोधा मल (2) श्री चन्द्रा
प्रकाश, सुपुत्र लोक नाथ (3) श्री रविन्द्रा कुमार सुपुत्र श्री लोक नाथ
(5) श्री फतेह चन्द्र सुपुत्र श्री लाधा मल तथा (6) मास्टर
पंकज, सुपुत्र श्री फतेह चन्द्र निवासी 5375, वस्ती हरफुल
सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अप्पियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी भन्य अप्पिक द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही भर्य होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 1288 वर्ग गज (1078 वर्ग
मीटर) क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ है, जिसका नं० 56, ब्लाक नं०
29, बसरा नं० 720/21 है, पार्क एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लाट नं० 28 पर मकान

पश्चिम : प्लाट नं० 30 पर मकान

उत्तर : रोड

दक्षिण : सर्विस लेन

ए० एल० सूद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III नई दिल्ली-1

दिनांक 18 मार्च, 1978

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1387(639)/II-4/
77-78—अतः मुझे एस० सी० परीक्षा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० जे० 11-4-77 सिटी सर्वे नं० 3, एस० नं० 3178, है, जो महात्मा गांधी रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नैशनल पेट्रोलियम कं० की ओर से भागीदार श्री लखमणी करसन दास तथा अन्य, महात्मा गांधी रोड, पोरबंदर (अन्तरक)

2. श्री हरीलाल भगवानजी भाई, लाटी बाजार, पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रथाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 200 . 28 वर्ग गज है तथा जिसका एम० नं० 11-4-79, सिटी सर्वे वार्ड नं० 3, सर्वे नं० 3177 तथा 3178 है तथा जो महात्मा गांधी रोड पर, पोरबंदर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7-7-77 वाले विशेष दस्तावेज नं० 1554 में दिया गया है।

एस० सी० परीक्षा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 9 मार्च, 1978
मोहर :

प्रस्तुत आईटी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I 1387 (640)/II-4/77-
78—अतः मुझे, ए० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एम० न० 11-4-77, सिटी सर्व वार्ड न० 3, सर्व न० 3178, है, जो महात्मा गांधी रोड, पोरबंदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पोरबंदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908 का 16) के प्रधीन 7-7-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवति:—

1. मैसर्स नेशनल पेट्रोलियम, की ओर से भागीदार, श्री लखमशी करसन दास तथा अन्य, महात्मा गांधी रोड, पोरबंदर (अन्तरक)

2. श्री कांतीलाल भगवानजीभाई, लाटी आजार, पोरबंदर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्याकारी;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्याकारी, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 205.86 वर्ग गज है तथा जिसका एम० न० 11-4-79, सिटी सर्व वार्ड न० 3, सर्व न० 3178 है तथा जो महात्मा गांधी रोड पोरबंदर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7-7-77 वाले विक्री दस्तावेज न० 1565 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक 9 मार्च 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269 व (1) के अधीन सुचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 24 मार्च 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-I-1374 (642)/5-1/
 77-78—अतः मुझे एस० सी० परीख
 आपके प्रधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त प्रधानियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
 के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 1218-ए आम्बावाडी रोड, है, जो वार्ड नं० 6, आम्बावाडी रोड, भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-7-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धत में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रहिनियम, के घटीत कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; भौरया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्यरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्ता अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्ता अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रभारी :—

1. श्री सतीश रमणीकलाल पुरोहित पावर आफ एटारनी होलडर आफ श्री रमणीक लाल चिमनलाल पुरोहित 24, गुलिस्तान, बम्बई-26। (अन्तरक)

२. श्री पटेल देवाजी राधव तथा अन्य धाधावदर गांव तालुका,
ठड़का। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त समस्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधिकारिक विवरण नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृतसंक्षी

एक अचल सम्पत्ति जो 688—96 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है तथा जो ग्राम्बाबाड़ी, वार्ड नं०-6, भावनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 28-7-77 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 942 में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन्त रेंज, अहमदाबाद

दिनांक : 24 मार्च, 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 मार्च 1978

निदेश सं० ए० सी० क्य० 23-1-1377/(641)/16-
6/77-78—अत : मुझे एस० सी० परिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा
269-व(1) के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 639, प्लाट नं० सी० तथा डी है, जो 7,
पंचनाथ प्लाट, सुधार रोड का कोना, लाल बहादुर शास्त्री मैदान
के सामने, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की ओरा 269-व(1) के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की ओरा 269-व(1) की
उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवति:—

1. श्री मूलजी भाई कल्याणजी भाई ककड़, 8, काशी
विश्वनाथ प्लाट, राजकोट
(अन्तरक)

2. (i) श्री लक्ष्मी दास पोपट लाल रानपुरा,
(ii) श्रीमती शार्दा लक्ष्मीदास,
(iii) श्री दिलीप लक्ष्मीदास
(iv) श्री एस० एल० रानपुरा, 7, पंचनाथ प्लाट, राज-
कोट ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहण:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 310-0-72 वर्ग गज भूमि पर स्थित
है तथा जिसका एस० नं० 639, प्लाट नं० सी० तथा डी० है तथा जो
7 पंचनाथ प्लाट, लाल बहादुर शास्त्री मैदान के सामने, राजकोट
में स्थित है । तथा जिसका पूर्ण वरणन 1-9-77 बाले विक्री
दस्तावेज नं० 1997, में दिया गया है ।

एस० सी० परिख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 14-3-78

मोहर:

प्रलेप आई०टी० एस० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 मार्च 1978

निदेश सं० 15/जुलाई/1977—अतः मुझे, ए० टी० गोविंदन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है,

और जिसकी सं० 298, मिन्ट स्ट्रीट मद्रास-1 है, जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकाटपट, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-7-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती के० वी० मीनाक्षी (अन्तरक)
2. श्रीमती आर० जयराणी (अन्तरिती)
3. श्री जी० कृष्णन, एस० जयलक्ष्मि एस० पीर मोहम्मद, ई० मोहीदीन पिच्चै, ई० मोहम्मद मीरान
(वह व्यक्ति जिसके अभिभौग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-1, मिन्ट स्ट्रीट, डोर सं० 298 (आर० एस० सं० 1324) में 2103 स्क्युयर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविंदन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 10 मार्च, 1978
मोहर

प्रश्न प्रार्थी ३० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1978

निदेश सं० 4377/जुलाई/77—अतः मुझे, के० पोशन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० पलिम्पट्टि गांव में 13.83 एकड़ में
आधा भाग एस सं० 98, 99 और 97) में स्थित हैं
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लान्नि
'डाकुमेंट 1123/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थि आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० बालसुब्रमनियम (अन्तरक)

2. श्री पी० नटराजन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी ग्रन्थि व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पलिम्पट्टि गांव में 13.83 एकड़ में आधा भाग (एस० सं० 98, 99 और 97)।

के० पोशन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास।

दिनांक : 14 मार्च, 1978
मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 मार्च 1978

निवेश सं० 4377/जुलाई/77—अतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 98, 99
और 97 है, तथा जो पलियम्पटि गांव एस० सं०
(आधा भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पोल्लाचि डाकुमेंट 1124/77 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वाँ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० बालसुभ्रमनियम

(अन्तरक)

2. श्री पी० मथिलसामि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलियम्पटि गांव में 13.83 एकड़ में आधा भाग (एस० सं० 98, 99 और 97)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 14 मार्च, 1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006 दिनांक, 22 फरवरी, 1978

निदेश सं० 4385/जूल/77—यतः मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 157 सी, 157 डी, 157 ई, अवनाशि रोड, अनुपरपालयम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेंट 1484/77) में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

4=6GI/78

1. श्री एम० दमपाल और शेषवरावतिल

(अन्तरक)

2. श्री पी० के० रामसामि चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजवन्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजवन्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, अनुपरपालयम, अवनाशि रोड, डोर सं० 157-सी, 157 डी, और 157 ई।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 22 फरवरी, 1978

मोहर:

प्राप्ति प्राई० टी० एन० एस०----

1. श्री एम० वनपाल और शेषगवलि (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति प्रार० जानकि (अंतरिकी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 फरवरी, 1978

निदेश सं० 4385/जुलाई/77—अतः मुझे के० पोशन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 157, 157 ए, और 157 भी अवनाशि रोड,
अनुप्परपालयम, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे०एस०प्रार० कोयम्बतूर (डाकुमेंट 1485/77),
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

कोयम्बतूर, अनुप्पर पालयम, अवनाशि रोड, डोर सं० 157,
157 ए और 157 भी।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

के० पोशन

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 22 फरवरी, 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास
मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1978

निवेश सं० 16 मार्च, 1978—यतः मुझे ए० टी० गोविंदन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी प्लाट सं० 4, आर० एस० 145/2 और 3 के० के० नगर, मदुरै है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (पत्र सं० 925/77) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1. श्री एस० एल० सिंगारम (अन्तरक)

2. श्रीमति लक्ष्मी अम्माल (अंतरिती)

3. श्री के० एस० तामस (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मदुरै, तल्लाकुलम, के० के० नगर, आर० एस० सं० 145/2 और 3, प्लाट सं० 4 में 12-1/2 सेंट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविंदन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक : 16 मार्च, 1978

मोहर :

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राईटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी, 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल ७७—७८/१४०—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान का भाग है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्णे के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-77 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मूँझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्खोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कैलाश नारायण पुत्र श्री सावलदास अग्रवाल निवासी जिसीपुल, पाटनकर बाजार, लक्ष्मणगढ़, ग्वालियर (अन्तरक)

2. श्रीमति मालती गुप्ता पति श्री प्रकाश चन्द्र गुप्ता निवासी बर्ज की गोल, जनक गंग, लक्ष्मणगढ़, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रूफेंस अन्ति के प्रंगं ने लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रंगं ने सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से यदि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 25/779 का भाग स्थित इन्द्रगंग का औराहा, लक्ष्मणगढ़, ग्वालियर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक 25-2-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 77—78/
941/—अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-व के प्रधीन सम्बन्धमें प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुरैना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरैना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपक्षारा (1) के प्रबोन, निम्नलिखित अक्षितयों अर्थात् :—

1. श्री जगदीश चन्द्र गोयल पुत्र श्री हरिश्कर गोयल निवासी
जैन मन्दिर रोड, मुरैना
(अन्तरक)

2. श्री अविनाश चन्द्र गोयल पुत्र श्री मेदी चन्द्र गोयल निवासी
जैन मन्दिर रोड, मुरैना
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अक्षितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन क्रमांक 140/3 वत्तपुरा बाड़ी क्रमांक 7, नाला नं० 2,
स्थित नगर मुरैना।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 25-2-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए०सी० एक्वी० /भोपाल/ 77-78/924—
अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मन्दसौर में स्थित है (और
हस्ते उपावद अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्दसौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 8-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिनते में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ की उपवारा (1)
संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चतः—

1. श्री जांदमल पुत्र श्री मन्नालाल मुड़रया स्थान बड़ी होली
मन्दसौर (अन्तरक)

7. श्री मदरसा सफिया प्रतापगढ़ रजिस्टर्ड संस्था द्वारा श्री
रसूल भाई पुत्र श्री हामद अली बोहरा स्थान 23/1 निजामपुरा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए
कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रयोग होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 23/1 स्थित बाई० नम्बर 17, निजामपुरा
मन्दसौर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 25-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयोग, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन शेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निवेदण सं० आई० ए० सी० एफवी०/भोपाल/77-78/943-

अतः मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो मुडवाडा म स्थित है (और इससे उपाखद्ध अतुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-7-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घर्ता :—

1. श्री राजाराम पुत्र श्री भेद्या लाल (2) श्री विजय पुत्र श्री हुकुम चन्द (3) फूलरानी पत्नी; हुकुम चन्द श्रीमति सरोज कुमारी (5) सुपमा कुमारी (7) सुनीता कुमारी देवेन्द्र कुमार सभी पुत्र श्री हुकुम चन्द नामक स्थान गुलबाडा तह ० मुडवाडा जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति छोटीबाई पत्नी श्री नन्द लाल गटानी स्थित गांधी गंज मुडवाडा (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 161/1, 161/2, वैरिंग नम्बर 483 स्थान हनुमान गज मुडवाडा

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-2-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77—78/746—
श्रतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्प्रभु प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दो भकान है, तथा जो मुडवाडा में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मुडवाडा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप्ति को बाष्ठत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शास्त्रिक में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या प्रन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

1. (1) श्री राजाराम पुत्र श्री भैया लाल, (2) श्री विजय कृष्ण (3) फूलरानी पाल श्री हुकुम चन्द (4) सरोज कुमारी (5) सुषमा कुमारी (6) सुनिता कुमारी (7) देवेन्द्र कुमार सैनी पुत्र-पुत्री श्री हुकुम चन्द नायक निवासी गुलबारा तह मुडवाडा (अन्तरक)

2. श्री सावतदास पुत्र श्री कृष्ण गट्टानी निवासी गांधी गंज मुडवाडा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 161/3 व 161/4, विरिंग न० 473, स्थित हनुमानगंज, मुडवाडा।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 25-2-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेन्स, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77—78/944—
अतः मुझे रा० कु० बाली,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० भूमि है तथा जो खुरई में स्थित है और इससे उपाबद्ध
ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, 29-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—6GI/77

1. श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री निरजन सिंह द्वारा श्री आलम-
बीर सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह निवासी भापासौल तह० खुरई
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमति उपमादीप कौर पलि श्री अवतार सिंह (2)
श्री अवतार सिंह पुत्र श्री निरंजन सिंह दोनों निवासी भापासौल
तहसील खुरई (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में
दिया गया है।

ग्रनुसूची

खुली भूमि थेवफल 13500 वर्ग फुट, खसरा न० 192
आर 1, विर्यांग न० 393 स्थित नेहरू वार्ड, खुरई।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 25-2-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 25 फरवरी 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/945—

अतः, मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सिनेमा है, तथा जो चिरमिरी में स्थित है (और इससे उपावच अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मनेन्द्रगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रभतरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्त्रिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, पर्यात:—

1. मैसर्स बी० वी० लहरी एंड सन्स द्वारा श्री प्रशांत कुमार लहरी निवासी चिरमिरी, तह० मनेन्द्रगढ़ सरगुजा। (अन्तरक)

2. श्री अमालचन्द्र नाहारे पुत्र श्री मनेन्द्र नाथ नहारे निवासी चिरमिरी तह० मनेन्द्रगढ़ सरगुजा। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिँबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल क्षेत्रफल 2220 वर्ग मीटर जिस पर एक सिनेमा हाल बना हुआ है स्थित चिरमिरी जिला सरगुजा, तह० मनेन्द्रगढ़।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 25 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण

अर्जन थोक्स, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्यो/भोपाल/77-78/
947—अतः मुझे, रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी स० बिल्डिंग है, तथा जा जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कस्तूरी लाल मथुरा दास बलद श्री राय बहादुर एम०
मथुरा दास निवासी पर्व मेन्शन 5वीं मजिल अवीन्स रोड, बम्बई
400020 (अन्तरक)

2. (1) श्री त्रिलोकी नाथ दुबे (2) श्री राजन प्रसाद
दुबे, (3) श्री नेमीचन्द्र गोलचा (4) श्री खेमचन्द्र गोलचा सभी
निवासी सुन्दर बाजार, जबलपुर (अन्तरिती)

3. मेसर्स राजेन्द्रा साईकिल स्टोर्स व अन्य किरायेदार
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जोकि 'मोती बिल्डिंग' के नाम से जानी जाती स्थित
सदर बाजार मेनरोड, जबलपुर केंट (म० प्र०)।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण;
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 1 मार्च, 1978

मोहर :

प्रस्तुप मार्गी ३० टी० एन० एस०—

1. मेसर्स जी० टी० इंडस्ट्रीज रायपुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
26९-घ (1) के प्रधीन सूचना

2. मेसर्स नौनिध इंडस्ट्रीज रायपुर

(अंतरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एकवी/भोपाल 77—78/948—
अतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० कच्चा मकान है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-7-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियों शूरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पहों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कच्चा मकान क्षेत्रफल 3500 वर्गफुट खसरा नं० 538 स्थित पाडरी तराम तह० रायपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 26९-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 26९-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 1-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निशेष सं० आई० ए० सी० एकवी/भोपाल 77—78/948—
श्रतः मुझे रा० कु० बाली

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1)
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाढ़त उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें सारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलाप (1)
के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीश पटेरिया पुत्र श्री सुशील पटेरिया स्थान गोल
बाजार जबलपुर
(अन्तरक)

2. श्री राजेंद्र कुमार पुत्र श्री नाथूराम जैन स्थान साहपुर
मगरौन जिला सागर
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस कारपोरेशन नं० 139 साथ में जमीन नजूल भाग प्लाट
नं० 123 ब्लाक नम्बर 101 और 102 क्षेत्र 637 स्कुआर फिट
जोंस गंज (नया) वार्ड गंजपुरा जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर, निरीक्षण
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 1-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व्यं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एकवी०/भोपाल 77—78/
950—अतः मुझे रा० कु० बाली
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्यं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकन भाग है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और उससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्यं के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व्यं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हरीश पटेरिया पुत्र श्री शुशील कुमार पटेरिया गोल-बाजार जबलपुर।
(अंतरक)

2. श्री मधुसूदन पुत्र श्री भाई स्थान जबाहर गंज जबलपुर।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाऊस कारपोरेशन नं० 140 (भाग) साथ में भूमि नं० 1
भाग प्लट नं० 123 ब्लॉक नम्बर 101 और 102 थोल 807
स्कू० फिट जोंस गन्ज (नया) वार्ड गंजीपुरा जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 1 मार्च, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धनेश, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई०ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/951—
अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(और इस उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिये था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः :—

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी
गोल बाजार जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति निर्मला बेन पुत्र श्री विजय कुमार गाला निवासी
जवाहर गंज, जबलपुर (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान कारपोरेशन नं० 140 (भाग) साथ भूमि नजूल प्लाट
नं० 123, ब्लाक नं० 101 व 102 क्षेत्रफल 600 वर्गफुट स्थित
जोन्सगंज (नया) बाड़ी, गंजीपुरा जबलपुर।

रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक : 1-3-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन खेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/925—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उचित से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिस्में भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के प्रगतरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात् :—

1. श्री हरीश पटेरिया पुत्र श्री शुशील कुमार पटेरिया स्थान
गोल बाजार जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्री निर्मल कुमार पुत्र श्री ज्ञान चन्द जैन मुहल्ला मछरहाई
गंजीपुरा वार्ड जबलपुर। (अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यावाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हाउस कारपोरेशन नं० 138 साथ में भूमि नजूल भाग
प्लाट नं० 123 ब्लाक नं० 101 और 102 क्षेत्र 650 स्कू० फिट
जोनसगज (नया) गंजीपुरा जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-3-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, बिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/953—
अतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

प्रौढ़ जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(प्रौढ़ इस उपभाद्र अन्तसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौढ़ मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रभारण से हूई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रौढ़/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रवृत्ति, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, प्रवर्त्ति:—

6-6GI/77

1. श्री हर्ष पटेलिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेलिया निवासी
गोल बाजार जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमति शान्ति बाई पत्नी श्री छोटे लाल सोमवन्धी
निवासी तुलाराम मौक, जबलपुर (अंतरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

द्वे मंजिला मकान कारपोरेशन नं० 135 (भाग) साथ में
भूमि नजूल भाग प्लाट नं० 123, ब्लाक नं० 101 व 102 क्षेत्रफल
322 वर्गफुट स्थित जोन्स गंज (नया) बांड गन्जपुरा, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-3-1978

मोहर :

प्रस्तुत प्राइंटी टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/954—
श्रतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
वस्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
मुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त:—

1. श्री हरीश पटेरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेरिया
स्थान गोलबाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमति मीनावाई पत्नी श्री रतन चन्द नायक स्थान सराफा
वार्ड, जबलपुर। (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

द्योषीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस कारपोरेशन नं० 136 और 138 (भाग) साथ में
भूमि नजूल भाग प्लाट नं० 123 ब्लाक नं० 101 और 102 क्षेत्र
266 स्कू० फिट जोन्सगंज (नया) वार्ड गंजीपुरा जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 1-3-1978
मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 77-78/955—
श्रतः मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौतिक अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री हर्ष पटेरिया पुत्र श्री सुशील कुमार पटेरिया गोल
बाजार, जबलपुर
(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री लाला बालकिशन दास अरोरा
स्थान मुकदम गंज, जबलपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस कारपोरेशन न० 134 (भाग) साथ में जमीन नजूल
भाग प्लाट न० 123 ब्लॉक न० 101 और 102 थेव 310 स्कू०
फीट जोन्स गंज (नया) वार्ड गंजपुरा, जबलपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन थेव, भोपाल

तारीख : 1-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई ० टी० एम० एस०

1. श्री कुन्जिरामन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 173/77-78—यतः, मुझे, सी० पी०
ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है, जो कोशिकोड में स्थित
है (और इसमें उत्तरवाड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोर/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भूम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री सेतुभाद्रवन

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

13 cents of land with buildings in Sy. No. 327/5 (R.S.
No. 20-5-11) of Panniankara Ansom desom, Kozhikode.

दिनांक : 13 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 मार्च 1978

निवेश सं० एल० सी० 174/77-78—यतः मुझे, सी० पी०
ए० वासुदेवनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, एरणाकुलम विलेज में
स्थित है (और इससे उपबाहु अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रोर्टा अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 26-7-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री जोस आन्टनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।उपष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

11.375 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Erna-
kulam Village.सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

दिनांक : 13 मार्च 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० -----

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे।

(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री जोस आन्टणी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 175/77-78—यतः मुझे सी० पी०
ए० वासुदेवन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलोज
में स्थित है (और इससे उपवाड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 27-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; ।

अतः यदि उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मेरे, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वहीं पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

11,400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Erna-
kulam Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

दिनांक : 13 मार्च 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व(1) के अधीन सूचना

(2) श्री जोस आन्टणी

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिन-16

कोचिन-16 दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 176/77-78—यतः, मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अत्यरिक्त (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

11,400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Ernakulam Village.

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्वितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिराने में सुविधा के लिए;

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

दिनांक : 13 मार्च 1978

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(2) जोस आन्टणी

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 177/77-78—यतः मुझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पूरु करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11,400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Ernakulam Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 13 मार्च 1978

मोहर :

प्रूप आई० ई० एन० एस०———

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16 दिनांक 13 मार्च 1978

निकेश सं० एल० सी० 178/77-78—यतः, मुझे, सी० पी०
ए० वासुदेवन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 29-7-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन करने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य प्रास्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रन-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपबारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, प्रथात् :—

7—6GI/78

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्री जोस आन्टोनी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संगति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11.400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Erna-
kulam Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, एरणाकुलम

दिनांक: 13 मार्च 1978

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 179/77-78—यतः, मुझे, सी० पी०
ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रामन मेनोन और 30 दूसरे

(अन्तरक)

(2) श्री जोस आन्टणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

11,400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 in Erna-kulam Village.

सी० पी० ए० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 13 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 13 मार्च 1978

निदेश सं० एल० सी० 180/77-78—यतः, मझे, सी० पी० ए० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम विलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-7-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर बेने के अन्तरक के वायित्य में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(1) श्री (1) आर० वी० रामाचन्द्रन (रामवरम्म अप्पन तंपुरान के द्वारा) (2) आर० वी० सदाशिवन (अन्तरक)

(2) श्रीमति आनी जोश

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त अनुसूची के अध्याय 20-क में घण्टा-परिमाणित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

28 7/8 cents of land in Sy. No. 2611/1 in Ernakulam village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सी० पी० ए० वासुदेवन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्जतः:—

दिनांक : 13 मार्च 1978
मोहर:

प्रलेप पाई० टी० एम० एस०——

(1) श्री उम्मन राज मोहन दुग्धिराला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सव्यद आली गुन्टूर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) श्री षेक पेरु साहेब गुन्टूर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 548—यतः मुक्ते एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 5/1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-77

को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुग्ते यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रन्ति, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
पर्यंत होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 3675/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रहृष्ट आई० टी०. एन० एस०—

(1) श्री उम्मम मेन्थुल प्रसाद नरसाराव पेटा।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सैयद आली, गुन्टूर।

भारत सरकार

(अन्तरिक्ती)

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(3) शेख पेह साहेब गुन्टूर।

अर्जन रेज, काकीनाडा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 549—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5/1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बांधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्त्र व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज 3674/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्षत :—

दिनांक : 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाड़ा

काकीनाड़ा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 550—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिस की सं० 5/1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इसे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
21-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
प्रो/शा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उन्नम विठ्ठलराव गुन्टूर

(अन्तरक)

(2) श्री सम्बद आली, गुन्टूर ।

(अन्तरिती)

(3) शेख पेह साहेब गुन्टूर ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमंत्रण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 3673/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाड़ा

दिनांक : 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन०एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 5 जनवरी 1978

सं० 551—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिस की सं० 5/1 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 31-7-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों
को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री उम्रम राजाराव दुम्गिराला ।

(अन्तरक)

(2) सैयद अली गुन्टूर

(अन्तरिती)

(3) शेक पेरु साहेब गुन्टूर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ती—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
र्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत
दस्तावेज नं० 3672/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 5 जनवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

शायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

(1) श्री टि० राजगोपालराव गुट्टूर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जि० रत्नाबाई रावलपांडु

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० न० 607—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
श्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 27/182 है, जो रावलपांडु में स्थित है (श्रीर
इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गुडिवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण,
भविनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-7-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थायर अस्तरण लिखत में
धारास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अनुष्ठानकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
भविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

गुडिवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 2305/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भविनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर भविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भविनियम या बन-कर
भविनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः भव उक्त भविनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, यै, उक्त भविनियम की धारा 269 घ को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 14 फरवरी 1978

मोहर :

एन० के० नागराजन,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

प्रस्तुति आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री ऐ० विं० रामलिंगस्वरराव विजयवाडा

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० नं० 608—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब्ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 40-15-4 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ष की उपस्थारा

(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात्:—

8—6GI/78

(2) श्री के० सूर्यनारायण राजु विजयवाडा

(अन्तरिती)

(3) मेडिकल आफीस ई० एस० ए० विजयवाडा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बित हित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री प्राधिकारी से पाँचिक अंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2054/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०——

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० 612—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० 40-5-24 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-7-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(1) श्री एम० वेंकटारामपाराजु विजयवाडा।

(अन्तरक)

(2) डि० अनुराधा विजयवाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) प्रतिशत से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिंग अंत 15-7-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 1966/77 में निगमित अनुसूची संपर्की।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एन० के० नागराजन

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

प्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब के अनुमरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

दिनांक : 24 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री एम० वेंकटारायपाराजु विजयवाडा ।
(अन्तरक)आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती डी० सत्याकलावति विजयवाडा ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० 613—अतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 40-5-24 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-7-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविष्यों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करसा हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1967/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 24 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण नं. ८०० एन० एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वीं

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं. 614—यतः मुझे एन० के० नागराजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वीं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं. 7-10-9ए है, जो विश्वापटनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विश्वापटनम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-7-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसो किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रथा: घब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वीं में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वीं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अस्ति:—

(1) श्री रविनाथर मद्दास।

(अन्तरक)

(2) 1. डा० के० पूर्यराव 2. श्रीमती के० कमलादेवी विशाखापटनम

(अन्तरिती)

(3) सन एण्ड सी होटल, विशाखापटनम

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विश्वापटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-7-77 में पंजीकृत वस्ताबेज नं. 2250/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 27 फरवरी 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०———

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 615—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 39-5-6 है, जो विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाधृत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखण्डन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री जिं अमनुल्ला पल्लेकोंडा, तमिलनाडु ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे० सुब्बाराव, विजयवाडा ।

(अन्तरिती)

(3) वीरांजनेया हंजीनियरिंग वर्क्स, विजयवाडा

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अबसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1968/77 में निगमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक 1 मार्च 1978
मोहर :

प्रस्तुति ग्राही दो एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269वाँ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 1 मार्च 1978

सं० 616—यतः मुझे एन० के० नागराजन

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 1541 है, जो अज्ञमपूर्णी ग्राम में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रन्थवरम में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-7-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-वा० के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-वा० की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अर्थात् :—

(1) श्री जिं राधा सुभाराम बुद्धरम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० किशोर वाबु कपिलेस्वरपुरम, ग्रन्थवरम तालूका ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त [सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षियों में से किसी अवक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य अवक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्रन्थवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाँक्षिक अंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज सं० 1814/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 1 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 घ(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा
 काकीनाडा, दिनांक 2 मार्च 1978

सं० 617—यतः मुझे एन० के० नागराजन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 142 है, जो अजमपूडी ग्राम में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गश्वरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

(1) श्रीमती पि० श्रीरामम्मा बुद्धवरम् ।

(अन्तरक)

(2) श्री जि० हरनाथ प्रसादा राव जि० वरलक्ष्मी, तनुकु ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गश्वरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2129/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 2 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पि० विस्वेस्वरराव पि० रामा कुण्ड रवेजाम
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 9 मार्च 1978

सं० 618—यतः मुझे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 42/1 है, जो कनपाका गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, विजयनगरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, में 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-7-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) विजयनगरम आयल के कंपनी विजयनगरम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करस्ता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विजयनगरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाकिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3543/77 में निगमित अनुसूची संघती।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 9 मार्च 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राइवेटी ० एन० एस०-----

(1) श्री एन० सुमित्रा २. एन० दसरधारामया ३. एन० श्रीनिवासु सुनु नागुलापाडू

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना(2) आंध्र काटन पण्ड एग्रिकल्चरल कार्परेशन नागुला-
पाडू ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 620—यतः मुझे एन० के० नागराजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० 433/7 है, जो नागुलापाडू शाव में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकुमानु में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जुलाई 1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भ से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
प्रथ्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधाय 20क में परिभासित है, वही
प्रथ्य होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

(क) प्रतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/ या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

काकुमानु रजिस्ट्री अधिकारी में पाक्षिक अंत 15-7-77 में
पंजीकृत दस्तावेज नं० 544/77 में निर्गमित अनुसूची संपत्ती ।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

अतः प्रभृ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रकार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 10 मार्च 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 मार्च 1978

सं० 621—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 603 है, जो जम्नलापालेम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, उन्नगोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक ('अन्तरकों') और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब० के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब० की उपभारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्तः:—

(1) श्री एस० वेकटा सुब्रद्या 2. एम० रामया 3. एस० हरि प्रसादा राव जम्नलापालेम।

(अन्तरक)

(2) एन० पट्टाभिरामव्या मंगमूर०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ये हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उन्नगोल रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1787/77 में निगमित अनुसंधी संपत्ती।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 10 मार्च 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंट टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
घारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 17 मार्च 1978

सं० 631—यतः मुझे एन० के० नागराजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० 217/3, 218/3 और 220/13 है, जो राम-
चन्द्रपुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रामचन्द्रपुरम
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-7-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वापत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करन या उससे बचने में मुश्विदा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में मुश्विदा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम ही घारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की
उपश्वारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० कामराजु 2. एम० वैकाशम्मा रामचन्द्रपुरम
(अन्तरक)

(2) श्रीमतो श्रलूरी भूलक्ष्मी पेकेल ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रामचन्द्रपुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पालिक अंत 31-7-77
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1713/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 17 मार्च 1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मार्च 1978

निदेश ए०एस०आर०/53/77-78—यतः मुझे एस०के०गोयल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० नया नं० 929-930/11-7, 308/II-3 तथा जो बाजार चौक पसियान, बाजार वारियान एवं गुरु बाजार एवं गली उपलान अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1977 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

(1) श्री जतिन्दर सिंह गोरी पुलभाई नन्द सिंह निवासी गाड़ेन व्यू माल रोड, अमृतसर द्वारा श्री धरमवीर सिंह जाली पुल श्री मलिक राम जाली, निवासी 6 रानी का बाग, अमृतसर जनरल एटार्नी

(अन्तरक)

(2) श्री गुरेचरन सिंह श्री भूपिन्दर सिंह श्री जगदीश सिंह पुलगांव श्री विशन सिंह 24/100 हिस्सा श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री विशन सिंह श्रीमती सुजान कौर पत्नी श्री सतनाम सिंह 20/100 हिस्सा निवासी ग्रीन एवेन्यू अमृतसर श्री धनराज सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह 20/100 हिस्सा, श्रीमती हरबिन्दर कौर पत्नी श्री धनराज सिंह 36/100 हिस्सा, निवासी आबादी किणन गढ़, अमृतसर

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो—।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवधि द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसरी

एक खोला नाम 472 वर्गगज पुराना नं० 981-982-983/11 एवं 239/2 नया नं० 929-930/11-7, 308/II-3 जो बाजार चौक पसियान, बाजार वारियान एवं गुरु बाजार एवं गली उपलान अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलोख संख्या 1108 जुलाई 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
संथाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4 मार्च, 1978

मोहर :

त्रस्त्र प्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, नहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मार्च 1978

निदेश सं० ए०एस०आर०/५४/७७-७८—व्रतः मङ्गलांस०के०
गोयल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बद्धा गया है), को धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है और जिसकी

मं० नं० 929/930/11-7, 308/II-3 बाजार चौक पसियान
बाजार वरियान है तथा जो एवं गुरु बाजार एवं गली उपलान
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
योग्या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिगाने में सुविधा के लिए,

व्रतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अन्यितयों पर्याप्त :--

(1) चौधरी बलदेव किशन पुत्र चौधरी रसीला राम
निवासी 112, दयानन्द नगर, श्री राजपाल पुत्र श्री
जीवन लाल निवासी 45 कृष्ण नगर, लारेंसरोड
अमृतसर। (अमृतक)

(2) श्री गुरवरन सिंह श्री भूपिन्दर सिंह, श्री जगदीश सिंह
पुत्राण श्री विशन सिंह श्रीमती सुजान कौर पत्नी श्री
सतनाम सिंह निवासी ग्रीन एवं न्यू अमृतसर 20/100
हिस्सा, श्री धनराज सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह 20/100
हिस्सा श्रीमती हरन्विदर कौन पत्नी श्री धनराज सिंह
निवासी आबादी कृष्ण गढ़ अमृतसर 30/100
हिस्सा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किराएदार हो :

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पत्ति के अंत के
निम्न कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक छांता नाम 472 वर्गज पुराना नं० 981-982-983/11
एवं 239/2 नया नं० 929-930/11-7, 308/11-3 जो बाजार
चौक पसियान, बाजार वारियान एवं गुरु बाजार एवं गली उपलान;
अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1107
जुलाई 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में
लिखा है।

एस० क० गोयल
सक्षम अधिकारी
महायकर भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 4 मार्च 1978

मोहर :

प्रस्तुप आई ० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1978

निदेश नं. अमृतसर/55/77-78—यतः मुझे, एस० के०
गोयल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
प्रधिक है

और जिसकी सं. खसरा नं. 3240/1930/2 है तथा जो माल
रोड एवं काश्मीर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण में हुई विसी ग्राम की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(घ) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रफल नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अद्वीतीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धरमपाल पुत्र श्री दुर्गादास निवासी 15, कैन्ट,
अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीराम प्रकाश पुत्र श्री ताराचन्द निवासी रानी का
बाग, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
क्रिरायेदार हो ।
(वह अविक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि यो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,
वही ग्रन्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूखण्ड नाम 470 वर्गगज जो माल रोड एवं काश्मीर रोड अमृतसर
पर स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख संख्या 1152 जुलाई
1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 6 मार्च, 1978
मोहर :

प्रस्तुप प्राइंटी टी.एन.एस.—

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1978

निकेश नं. अमृतसर/56/77-78—यतः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा नं० 3240/1930/2 है तथा जो माल रोड़ एवं काश्मीर रोड़ अमृतसर में स्थित है और इससे उपावड़ अन्तसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें वर्तने के लिये मुश्किल के लिए; और/या

(घ) पेंटी किसी आय या किसी धन या अन्य मालियों को जिस्ते, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-पार्श्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या दिया जाना चाहिए या, लिपाने में मुश्किल के लिये;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, प्रार्थतः—

(1) श्री धरमपाल पुत्र श्री दुर्गदाम निवासी 15 कैन्ट, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री ताराचन्द्र निवासी रानी का वाग, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकिस है और यदि कोई किरायेदार हो :

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई अविस जो सम्पत्ति में इच्छा रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नाम 470 वर्गगज जो माल रोड़ एवं काश्मीर रोड़ अमृतसर पर स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1205 जुलाई 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 6 मार्च, 1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रंजन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1978

निवेश नं० अमृतसर/57/77-78—यतः मुझे एम० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० भू-खण्ड नं० 184-185 है तथा जो आबादी अजीतनगर में स्थित है और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उससे अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में गुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपष्ठारा (1) के प्रयोग निम्नवित्त अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरभजन सिंह दत्तक पुत्र श्री गुरवचन सिंह सुलतान, विंड रोड, कोट रलिया राम, अमृतसर

(अन्तरक)

2) श्री जसवन्त सिंह पुत्र धी वसावा सिंह श्री बकशीग्र सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह 2614 सुलतान विंड रोड, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है श्रीरंगदिकोई किरायेदार हो।

(वह अवित्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधीक्षता की जानात है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानि पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आकैप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसची

दो सामान्य भू-खण्ड 184-185 खसरा नं० 2305/2283/1831, 2306/2283/1831 जो आबादी अजीत नगर अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख संख्या 1309 जुलाई 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
ग्रंजन रेज, अमृतसर

दिनांक : 6 मार्च, 1978
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक इंजीनियर (के०लो०नि०वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1978)

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1978

सं० एफ० 25/3/77 प० 1(ब) —भारत के राजपत्र दिनांक 1 अप्रैल, 1978 में निर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा श्रकारी नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियरों (सिविल / वैद्युत) की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिविल/वैद्युत) में पदोन्नति हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 18 जुलाई, 1978 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली दिसपुर (गोहाटी) कठमंडू, मद्रास और नागरकुर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध पैरा 8)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित है:—

(i) सहायक इंजीनियर (सिविल)	250 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 38 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 19 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।
(ii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत)	73 (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 11 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 6 आरक्षित रिक्तियां सम्मिलित हैं।)

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

ध्यान दें:—उम्मीदवार जिस ग्रेड अर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल या सहायक इंजीनियर (वैद्युत) की प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने आवेदन पत्रों में उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनोआईर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आईर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनोआईर/पोस्टल आईर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं।

10—6GT/78

दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र सहायक इंजीनियर (के०लो०नि०वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1978) के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों पर इन प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 15 मई, 1978 को या उससे पूर्व (29 मई, 1978 से पहले की तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 15 मई, 1978 तक) आवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 मई, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को ₹ 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹ 7.00) का शुल्क भेजना होगा जोकि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टर आईर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पानियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह “051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 15.00 (अनुसूचित जातियों तथा

अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में ₹० 4.0) वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

7. आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारों की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

आर० एस० गोयल
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

अनुबन्ध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में सूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने में पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अनिम स्पष्ट से चन्द लेना चाहिए। सामान्यतः चन्द हुए स्थान में परिवर्तन से "स्वद त्रिसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।"

2. उम्मीदवार को आवेदन प्रपत्र तथा पावती कार्ड अर्थात् रो ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में में होना/होने चाहिए रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गत्र भरा हुआ आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवार अपना आवेदन पत्र अपने विभाग या कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करें जो आवेदन पत्र के अन्त में पृष्ठांकन को भर कर उसे आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रतेक अवश्य भेजने चाहिए:—

(i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।

(ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक चैमो प्रतियाँ।

(iii) जहां लागू हो वहा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रायमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4(iv))।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (iii) में उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रायमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही प्रमाणित हों। परिणाम सम्भवतः 1978 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परोक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें उपर्युक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय उक्त प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी। और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

4. पैरा 3 की मद (i) से (iii) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय" लिखना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

मझे रोप्तन यार्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाक घर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों की यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए हए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाक घर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ब) निर्वाचित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विवित रेखांकित किया गया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) फोटो की दो प्रतियाँ:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरो प्रति आवेदन पत्र के साथ अच्छी तरह नस्ती कर देनी चाहिए। फोटो को प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सभी अधिकारी के स्पष्ट में नामित किया हो, तीचे दिए गए फार्म में प्रमाण पत्र ले रुठ उनको एक अभिभ्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पहां पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म :

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*

सुपुत्र/सुपुत्री*

जो गांव/कस्बा*

जिला/मण्डल* ————— राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
के/को* निवासी है
जाति/जन* जाति के/को* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित* जन जाति वे स्पष्ट में भान्यता की गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950।*

संविधान (प्रनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (ग्रामोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुरांठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुरांठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुरांठन) अधिनियम 1971 तथा अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1958।

संविधान (ग्रेंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959 अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1978 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियू) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (गोआ, दमन और दीयू) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (तांगासैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* और/या* उनका परिवार आम तौर से गाव/कस्बा* जिला/मण्डल* में राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर

स्थान

**पदनाम

तारीख

(कार्यालय की मोहर सहित)

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों उन्हें घटपया काट दें।

नोट :—यहां प्रयुक्त “आम तौर से रहते/रहती है” का अर्थ वही होगा जो “रिजेंटेशन आफ दी पीपुल एवेट, 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लैक्टर डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी वर्गिशनर/डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जोक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्सट्रेट एक्सिस्टेट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से दस ओहदे का महीना)।

- (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडब्ल्यूशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यु अफसर जिसका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता हो।
- (v) एडमिनिस्ट्रेटर (एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमेंट अफसर, लक्षणीय।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3(ii) में उल्लिखित प्रलेख संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के बिरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित श्रंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रतिष्ठित को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए झूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

6. आवेदन पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. यदि परीक्षा से संबंध आवेदन पत्रों की प्राप्ति की आधिकारी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

8. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथा शोध दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने को तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम को जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार

ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में चिचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं हैं।

10. आवेदन-पत्रों से संबंध पत्र व्यवहार :—आवेदन पत्रों से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर, हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम :
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

11. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यावस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, अवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसको सूचना, उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथा शोध दो जानों चाहिए यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

कमंचारी चयन आयोग

विज्ञप्ति

लिपिक श्रेणी परीक्षा (प्रपत्र कर्मचारियों के लिए) 1978

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1978

सं. 13/1/78-ई० ए०—भारत के राजपत्र के भाग I, खंड 1 दिनांक 1-4-1978 में कार्मिक और प्रशासनिक मुश्तार विभाग, गृह मन्त्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा (शाखाएँ), संस्कृत कार्य विभाग, नई दिल्ली और भारत सरकार के ऐसे अधीनस्थ कार्यालयों में, जहाँ उन कार्यालयों के श्रेणी 'ध' के पात्र कर्मचारियों द्वारा भरी जाने के लिए रिक्तियां हों, में निम्न श्रेणी लिपिकों के पदों में प्रपत्र 'ध' कर्मचारियों के लिए आरक्षित अस्थायी रिक्तियों को भरने के लिए कर्मचारी चयन आयोग द्वारा अग्रतात्ता, अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिमला, श्रीनगर, दिल्ली

तथा कुछ चुने हुए विदेश स्थित भारतीय दूतावासों में शुत्रवार दिनांक 1 सितम्बर, 1978 को एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. रिक्तियों की संख्या :—इस परीक्षा के परिणाम पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या विसी एक सेवा/विभाग/कार्यालय में निम्न श्रेणी लिपिकों की रिक्तियों की कुल संख्या का 10 प्रतिशत होगी। अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए लागू आदेशों के अनुसार आरक्षण किया जाएगा।

3. पाक्षिकता की शर्तें :—

उपरोक्त सेवाओं/विभागों/कार्यालयों में से विसी एक के श्रेणी 'ब' कर्मचारी केवल अपनी सेवा/विभाग/कार्यालय में उपलब्ध रिक्तियों के लिए ही प्रतियोगिता करने के पात्र होंगे।

पौरीक्षणिक योग्यता :—मैट्रिक अध्यवा समवक्ष।

सेवा अवधि :—मन्त्रालयों/विभागों/अधीनस्थ कार्यालयों के अतिरिक्त अन्य कार्यालयों के लिए :—

उम्मीदवारों ने केवलीय सचिवालय लिपिक सेवा में भाग लेने वाले मन्त्रालयों/कार्यालयों में अध्यवा सशस्त्र सेना मुख्यालय और/अध्यवा अन्तःसेवा संगठनों अध्यवा विदेश मन्त्रालय अध्यवा विदेशों में इसके दूतावासों अध्यवा संसदीय कार्य विभाग में युप 'ब' कर्मचारी के रूप में अध्यवा किसी उच्चतर डेंड में 1 जनवरी, 1978 को कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा की हो।

आयु सीमा :—1-1-1978 को 50 वर्ष से अधिक न हो (उम्मीदवार का जन्म 2 जनवरी, 1928 से पहले न हुआ हो)। अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों वे लिए इस आयु सीमा में 4 वर्ष की छूट होगी।

अधीनस्थ कार्यालयों के लिए :—अधीनस्थ कार्यालयों के समूह 'ब' के कर्मचारी ऊपर की मद्दों (iii) तथा (iv) के सम्बन्ध में अपने-अपने कार्यालय के नियमों द्वारा शासित होंगे।

4. केन्द्र का चयन तथा वह पता जहाँ आवेदन भेजना चाहिए :—उम्मीदवारों को उक्त पैरा 1 में उल्लिखित परीक्षा-केन्द्रों में से केवल एक केन्द्र चुनना चाहिए। साधारणतया केन्द्रों में किसी परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उम्मीदवार जिस केन्द्र को चुनेगा, उसे अपना आवेदन उसी केन्द्र के सामने कालम 2 में उल्लिखित पते पर ही देना चाहिए।

क्रम सं.	केन्द्र	वह पता जहाँ आवेदन भेजने चाहिए
----------	---------	-------------------------------

1	2	3
---	---	---

- | | |
|--|---|
| 1. दिल्ली, जयपुर,
पटियाला, शिमला,
श्रीनगर और विदेश में
कोई भारतीय भिरान | परीक्षा-नियंत्रक (मुख्यालय)
कर्मचारी चयन आयोग, पश्चिम
खंड 1, पोस्ट-बैग 2, राम-
कण्ठपरम, नई दिल्ली। |
|--|---|

1	2	3
2. इलाहाबाद, भोपाल और पटना	परीक्षा-नियंत्रक (केंद्र क्षेत्र) कर्मचारी चयन आयोग, 71/3-बी० स्टानले रोड, कमला नगर, इलाहाबाद।	
3. अगरतला, कलकत्ता, कटक और दिल्ली (गोहाटी)	परीक्षा-नियंत्रक, (पू० क्षेत्र) कर्मचारी चयन आयोग, प्रीमीसिस नं० 15/1 पांचबी मंजिल, घोरंगी स्क्वायर, कलकत्ता।	
4. अमृदाबाद, बम्बई और नागपुर	परीक्षा-नियंत्रक (प० क्षेत्र) कर्मचारी चयन आयोग, कारमीलोस बिल्डिंग, बीथी मंजिल, जी० टी० हस्पताल के सामने, मैट्रो सिनेमा के निकट, बम्बई।	
5. बंगालौर, हैशराबाद, मद्रास प्रौद्योगिकी	परीक्षा-नियंत्रक (द० क्षेत्र) कर्मचारी चयन आयोग, 150-ए०, एस० एल० ए० बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, अन्ना- मलाई, मद्रास।	

5 परीक्षा की योजना

परीक्षा निम्न योजना के अनुसार होगी :—

परीक्षा के विषय, परीक्षा के लिए दिया गया समय और प्रत्येक विषय के पूर्णांक इस प्रकार होंगे :—

पत्र सं० विषय	पूर्णांक	दिया गया समय
1. सामान्य अंग्रेजी तथा लघु निबन्ध		
(क) लघु निबन्ध	100 } 200	3 घन्टे
(ख) सामान्य अंग्रेजी	100 }	
2. भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान	100	2 घन्टे

पाठ्यक्रम—प्रश्न-पत्र—1

(क) लघु निबन्ध—दिए गए कई विषयों से से किसी एक पर निबन्ध लिखना होगा।

(ख) सामान्य अंग्रेजी—निम्नलिखित में उम्मीदवारों की परीक्षा ली जाएगी :—

- (1) मसौदा लेखन
- (2) सार लेखन
- (3) व्यावहारिक व्याकरण तथा

(4) प्रारम्भिक सारणीकरण (आकड़ों को संबलित करने तथा सारणी के रूप में उन्हें व्यवस्थित और प्रस्तुत करने की कला में उम्मीदवारों की योग्यता जांचने के लिए)।

प्रश्न-पत्र-II

सामयिक घटनाओं और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की जानकारी तथा उनके वैज्ञानिक पक्षों का अनुभव, जिनकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से, जिसने कि किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो, आशा की जा सकती है। इस पत्र में भारत के भूगोल से सम्बन्धित प्रश्न भी सम्मिलित होंगे।

8. उम्मीदवारों को छूट होगी कि वे प्रश्न-पत्र I की मद (क) या प्रश्न-पत्र 2 या दोनों के उत्तर अप्रेजी या हिन्दी (देवांगरी लिपियों) में दें। प्रश्न-पत्र I की मद (ख) के अन्तर सब उम्मीदवारों द्वारा अप्रेजी में ही लिखे जाने चाहिए। प्रश्न-पत्र I की मद (क) तथा प्रश्न-पत्र II द्विभाषिक (अप्रेजी तथा हिन्दी में) रूप में छापे जायेंगे।

प्रश्न-पत्र II में छूट पूरे प्रश्न-पत्र के लिए होगी, इस प्रश्न-पत्र के अलग-अलग प्रश्नों के लिए नहीं।

7. उम्मीदवारों का चयन :

परीक्षा के बाद, आयोग अन्तिम रूप से प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के आधार पर उन उम्मीदवारों की, योग्यताक्रम से सेवा/विभाग/कार्यालय क्रम से अलग-अलग सूचियां तैयार करेगा, और उसी क्रम से भरे जाने के लिए निश्चित आवश्यक रिक्तियों की संख्या के अनुसार जितने उम्मीदवार परीक्षा द्वारा अंतिम-प्राप्त समझे जायेंगे उनकी नियुक्ति के लिए आयोग सिफारिश करेगा।

लेकिन शर्त यह है कि अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आवश्यक रिक्तियों की सीमा सामान्य स्तर के अनुसार न भरी गई तो उनके लिए आवश्यक स्थानों की पूर्ति के लिए कर्मचारी चयन आयोग निर्धारित सामान्य स्तर में रियायत देकर भी अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक स्थानों को संख्या तक के स्थानों पर, परीक्षा में उनके योग्यता-क्रम की स्थिति का ध्यान किए बिंब ही, उनकी नियुक्ति के लिए सिफारिश कर सकता है, बशर्ते कि वे सेवा में चुने जाने के लिए उपयुक्त हों।

8. टंकण परीक्षा :

इस परीक्षा के परिणाम पर नियुक्ति इस शर्त पर की जाएगी कि जब तक किसी उम्मीदवार ने पहले से सचिवालय प्रशिक्षण-शाला या प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान या अध्यात्मस्थ सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित कोई आवधिक टंकण परीक्षा अप्रेजी या हिन्दी में पास न की हो तो उसे नियुक्ति को तारीख से एक वर्ष की अवधि में इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नामित प्राधिकारी द्वारा आयोजित अप्रेजी में 30 शब्द प्रति मिनट या हिन्दी में 25 शब्द प्रति मिनट की

गति से पास रखना होगा, जिनके पास न करने पर उसे तब तक कोई वार्षिक वृद्धि नहीं दी जाएगी जब तक कि वह इस परीक्षा को पास न कर लेगा।

अबोनस्थ कार्यालयों के उम्मीदवार इस सम्बन्ध में अपने कार्यालय के भर्ती नियमों द्वारा शासित होंगे।

9. आवेदनों का प्राप्ति नियम :

उम्मीदवार को हाल हो की पासपोर्ट आकार की फोटो की 3 श्रायियों सहित, निम्नलिखित सूचना देते हुए, सादे कागज (फूल-स्ट्रेप साईज) पर एक और तथा डबल-स्पेस में टाईप किए हुए तथा यथाइस्तांतरित आवेदन पत्र उक्त पैरा 4 के नीचे तालिका में उल्लिखित आयोग के किसी कार्यालय में अनन्तम 8-5-78 विदेश में या अंडमान तथा निकोबार द्वीप या लम्बांग ने रह रहे उम्मीदवारों से 23-5-78 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए। जो आवेदन अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त होंगे अवश्य जिनके साथ फोटो नहीं होंगे उनको तुरन्त अस्थीकार कर देया जाएगा। उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र अपने सम्बद्ध विभाग या कार्यालय की मार्फत ही भेजे जो आवेदन पत्र के अन्त में गृहांत भर रह इस आयोग के पास भेज देंगे।

10. आवेदन-पत्र की प्राप्ति सूचना :

आयोग प्रत्येक आवेदन पत्र की प्राप्ति सूचित करेगा। उम्मीदवारों को सलाह दो जाती है कि यदि वे कोई आगे पत्र आवधार करें तो इस पावतो पत्र की प्राप्ति के बाद करें तथा पावतो पत्र पर उल्लिखित संदर्भ संख्या का भी वर्णन करें।

11. परीक्षा के लिए प्रवेश-पत्र :

परीक्षा में प्रविष्ट किए गए प्रत्येक उम्मीदवार को आयोग यथा समय प्रवेश पत्र जारी करेगा। यदि कोई उम्मीदवार परीक्षा को वास्तविक तारीख से कम से कम एक मास पूर्व तक प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं करता तो उसे प्रवेश पत्र प्राप्त करने के लिए तुरन्त आयोग के सम्बद्ध कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। इस प्रमाण पत्र के बिना किसी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाएगा।

परीक्षा में बैठने के लिए आयोग द्वारा कोई यात्रा भस्ता नहीं दिया जाएगा।

पते में जिसी प्रहार का परिवर्तन होने पर आयोग के कार्यालय को उसको सूचना साफ अश्वरों में रोल नं०, नाम शैरू पते की छ: पर्वतों सहित तथा परीक्षा का नाम तथा वर्ष बताते हुए तत्पाल भेजने चाहिए।

लिपिन् श्रेणी परीक्षा, (समूह 'ध' कर्मचारियों के लिए)

1978 के लिए आवेदन-पत्र।

उम्मीदवार को यहां पर अपनी फोटो को एक हस्ताक्षरित प्रति चिप हानी चाहिए।

1. उम्मीदवार का नाम (मोटे अक्षरों में)
2. डाक पता : उम्मीदवार के नाम सहित जहाँ पत्र भेजे जाए (साफ अक्षरों में) (पता अपने नाम स्थैर पते की छः टाइप की हुई पर्चिया भी साथ भेजें)
3. जन्म-तिथि (ईस्यी सन् में)
4. (i) उस कार्यालय का नाम व पता जहाँ काम कर रहे हों।
(ii) वह सेवा/विभाग/कार्यालय बताएं जिसके लिए आप प्रतियोगिता कर रहे हैं।
5. क्या आप :—
अनुसूचित जाति/आदिम जाति के सदस्य हैं ?
“हाँ” या “नहीं” में उत्तर दें।
6. (i) पिता का नाम
(ii) पति का नाम (महिला उम्मीदवार की दशा में)
7. शैक्षणिक योग्यता (बोर्ड/विश्वविद्यालय)
8. अपना धर्म बताएं
9. आप किस तारीख से नियमित रूप से नियुक्त समूह ‘घ’ कर्मचारी के रूप में लगातार काम कर रहे हैं।
10. वह भाग बाएं (डिवी अथवा अंग्रेजी) जिसमें आप निम्नलिखित पर्चों के उत्तर देना चाहते हैं :—
(i) लघु निबन्ध
(ii) भारत के भूगोल सहित सामान्य ज्ञान
11. उस केन्द्र का नाम बताएं जिसमें आप परीक्षा देना चाहते हैं।

उम्मीदवार के व्रस्ताधार के लिए घोषणा-पत्र

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरो अधिकतम जानकारी तथा विश्वाप है, आवेदन पत्र में दिए गए, सभी कथन सत्य, पूरे तथा ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर
उम्मीदवार जहाँ सेवा कर रहा है उस विभाग अथवा कार्यालय
द्वारा भरने के लिए
प्रमाणित किया जाता है कि :—

(i) ओ/श्रोमतो/कुमारी द्वारा
दिए गए स्तम्भ (1 से 9) के सेवा विवरणों की उसके सेवा अभिलेखों से जाच कर ली गई है और वे ठीक हैं।

(ii) उसके सेवा अभिलेखों की जाच के अनुसार वह जाति/वर्ग से सम्बन्ध रखता/रखती है जो राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में, जिसमें वह और/अथवा उसका परिधार सामान्यतया रहता है अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति मानी गई है।

(iii) ऐसे कोई हालत नहीं है जो उसे अवर श्रेणी लिपिक के पद के अयोग्य बनाते हूँ।

(iv) वह केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के मन्त्रालय/कार्यालय/सशस्त्र सेना मुख्यालय लिपिक सेवा योजना के भागी अन्तर सेवा संगठन अथवा विदेश मन्त्रालय अथवा संसदीय कार्यालय में दिनांक से स्थायी/अर्द्ध-स्थायी/नियमित रूप से नियुक्त युप ‘घ’ कर्मचारी है जो दिनांक से के पद पर लगातार सेवा कर रहा है।

(v) *इस कार्यालय का स्थायी/अर्द्ध-स्थायी नियमित रूप से नियुक्त समूह ‘घ’/श्रेणी-IV कर्मचारी श्री इस कार्यालय के भर्ती नियमों के अनुसार अवर श्रेणी लिपिक नियुक्त किए जाने का पात्र है तथा इसके लिए इस कार्यालय में रिक्तियां मौजूद हैं।

*केवल अधीनस्थ कार्यालय के उम्मीदवार के मामले में लागू।

2. यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उसने आयोग को भेजने के लिए अपना आवेदन-पत्र तारीख को इस विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत कर दिया था।
सं०

दिनांक हस्ताक्षर

नाम

पदनाम

विभाग/कार्यालय

स्थान

(यह पृष्ठांनुसार विभाग/कार्यालय के प्रधान द्वारा हस्ताक्षर होना चाहिए)।

हीरा लाल अग्रवाल
अवर सचिव

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 16th February 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri Niko Ram, Section Officer as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 15 February, 1978, until further orders.

The 8th March, 1978

No. F.6/78-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri A. Appa Rao, Court Master, as Officiating Assistant Registrar with effect from the forenoon of 8th March, 1978, until further orders.

MAHESH PRASAD
Deputy Registrar (Admn-J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th February 1978

No. P/676-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri N. S. Jain, a permanent Grade I Officer of the Central Secretariat Service in the office of the Union Public Service Commission to retire from Government service, after attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of 28-2-1978.

The 6th March 1978

No. A.32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office Notification of even number dated 23-1-78, the President has been pleased to appoint Shri R. S. Ahluwalia, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for the period 1-2-78 to 28-2-78 or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.
Union Public Service Commission.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 8th March 1978

No. N7 RCT 41.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. C. Dube, an officer of the Indian Civil Accounts Services, as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 4th March, 1978, until further orders.

No. 87 RCT 28.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri H. S. Rathour, a permanent Assistant of the Central Vigilance Commission, as Section Officer in the Commission in an officiating capacity with effect from 1st March, 1978 to 10th April, 1978 or until further orders, whichever is earlier.

SHRI NIVAS
Under Secretary
For Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th March 1978

No. A-19014/2/78-Ad.V.—Shri Jarnail Singh, Under Secretary, Ministry of Home Affairs, on transfer the Ministry of Home Affairs, has taken charge of the Office of Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation, Head Office, New Delhi with effect from the forenoon of 6-3-1978 and until further orders.

2. Shri A. K. Hui relinquished charge of the office of Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation on the forenoon of 6-3-1978. His services were placed back at the disposal of Ministry of Home Affairs.

V. P. PANDEY
Administrative Officer (A)
C. B. I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 8th March 1978

No. O.II-1042/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Nibaran Mohanty, an *ad hoc* J. M. O. Base Hospital-I, CRPF New Delhi with effect from the afternoon of 13th February, 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 8th March 1978

No. 10/13/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Bhatia, an Investigator in the office of the Registrar General & *ex-officio* Census Commission for India, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, U.P., as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, U.P., with his headquarters continue to be at Lucknow, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 4 February, 1978, until further orders.

2. He relinquished charge of the post of Assistant Director of Census Operation (Technical), held by him on *ad hoc* basis, with effect from the same date.

No. 10/13/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Kalla, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the same office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in that office on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13 February, 1978, until further orders.

2. The Headquarters of Shri Kalla will continue to be at Srinagar.

3. He relinquished charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), held by him on *ad hoc* basis, with effect from the same date.

No. 10/13/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Dey, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Assam, and presently working as Assistant Director of Census Operations (Technical), on *ad hoc* basis, in the same office, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in that office on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6 February, 1978, until further orders.

2. The Headquarters of Shri Dey will continue to be at Gauhati.

3. He relinquished charge of the post of Assistant Director of Census Operations (Technical), held by him on *ad hoc* basis, with effect from the same date.

The 9th March 1978

No. 10/13/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Ram Bahadur Singh, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Bihar at Patna, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the same office, with his headquarters at Patna, with effect from the forenoon of 17 February, 1978, until further orders.

No. 10/13/76 Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Swain, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Orissa at Cuttack, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a

temporary capacity, in the same office, with his headquarters at Cuttack, with effect from the forenoon of 18 February, 1978, until further orders.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Dy. Secretary

MINISTRY OF DEFENCE
D. G. O. F. HQRS. CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Cuttack-700069, the 2nd March 1978

No. 5/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Narayan Das Chowdhury, Subst & Permt, ASO retired from service with effect from 28-2-78 (A.N.).

No. 6/78/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Govinda Chandra Bhattacharjee, Subst & Permt, ASO retired from service with effect from 28-2-78 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Cuttack, the 6th March 1978

No. 4/G/77-78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri L. I. S. Henry, Officiating Manager (Permt. and Subst. Dy. Manager) retired from service with effect from 30-11-76 (A.N.).

No. 5/G/77-78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri B. D. Kapoor, Officiating Asst. Manager (Subst. Foreman) retired from service with effect from 31-12-76 (A.N.).

No. 6/G/77-78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. S. Gupta, Officiating Manager (Subst. Dy. Manager) retired from service with effect from 28-2-77 (A.N.).

No. 7/G/77-78.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. P. Saxena, Officiating Asst. Manager (Subst. and Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-7-77 (A.N.).

No. 8/G/77-78.—On expiry of Leave pending retirement Shri S. Sitaraman, Officiating Asst. Manager (Permt. Store Holder) retired from service with effect from 31-7-77 (A.N.).

No. 9/G/77-78.—On attaining the age of superannuation Shri B. P. Srivastava, Offg. Staff Officer Gr-II/Asst. Manager (Permt. Storeholder) retired from service with effect from 31-7-77 (A.N.).

The 10th March 1978

No. 10/78/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri H. K. Lahiry, Offg. T. S. O. (Subst. & Permt. (Foreman) retired from service with effect from 31-12-77 (A/N).

V. K. MEHTA
Asstt. Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
(OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS)

New Delhi, the 8th March 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/1019/74-Admn(G)/2159.—On attaining the age of superannuation, Shri S. R. Atri, a permanent Grade IV Officer of the CSS, relinquished the charge of the post of Controller 11—6GI/78

of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st January, 1978.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 23rd February 1978

No. 12/703/71-Admn.(G).—Consequent upon his transfer as Senior Research Officer in the Planning Commission, Shri V. N. Nanoo, a grade III Officer of the IES relinquished charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Ludhiana w.e.f. the forenoon of 15-2-1978.

The 24th February 1978

No. 12(676)/71-Adm.(G).—Shri G. Raman relinquished charge of the post of Industrial Adviser (Modernisation) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries w.e.f. the forenoon of 1-1-1978 and assumed charge of the post of Director (Grade I) (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi w.e.f. the forenoon of 1-1-1978.

The 25th February 1978

No. 19018(329)/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Chandi Charan Mukherjee in the Small Industry Development Organisation as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) w.e.f. the forenoon of 27-1-1978, until further orders.

2. Consequent on his appointment Shri Chandi Charan Mukherjee assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. I) (Chem.) in the Branch Small Industries Service Institute, Imphal w.e.f. the forenoon of 27-1-1978.

The 27th February 1978

No. A-19018(312)/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Kunche Satyanarayana as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 13th February, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri Kunche Satyanarayana assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) in the Small Industries Service Institute, Margao-Goa w.e.f. the forenoon of 13th February, 1978.

No. A-19018/322/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. A. Mathew, in the Small Industry Development Organisation as Assistant Director (Gr.I) (Chemical) w.e.f. the forenoon of 1st February, 1978, until further orders.

2. Consequent on his appointment Shri K. A. Mathew assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Chemical) in the Branch Small Industries Service Institute, Muzaffarpur w.e.f. the forenoon of 1st February, 1978.

V. VENKATRAYULU
Deputy Director (ADMN.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 9th March 1978

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7) dated 11th July, 1969, Under Class 2—NITRATE MIXTURE, add "SAFBLAST" after the entry "PULVEREX".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)**

New Delhi-1, the 7th March 1978

No. A-1/1(1072).—On his reversion as Junior Field Officer, Shri Hukam Singh relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 28th February, 1978.

No. A-1/1(1105).—On his reversion as Superintendent (Supervisory Level II), Shri Gian Chandra relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals at New Delhi on the afternoon of 28th February, 1978.

No. A-7/1(1107).—On his reversion as Junior Progress Officer, Shri Jaishi Ram relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi on the afternoon of 28th February, 1978.

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

**MINISTRY OF IRON AND MINES
(DEPARTMENT OF MINES)**

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th March 1978

No. 1916/B/30/75/19C.—The following temporary officers of the Geological Survey of India are declared Quasi-Permanent in the grade of Assistant Geophysicist with effect from the dates as indicated against each:—

Sl. No.	Name	Date from which declared Q.P.
(1)	(2)	(3)
1.	Dr. P. D. Venkateswarlu	29-4-74
2.	Shri M. P. Mathew	2-12-73
3.	Shri R. K. Mazumdar	30-8-76
4.	Shri D. P. S. Chauhan	24-9-76
5.	Shri S. Raman	1-3-77
6.	Shri R. A. Tiwari	5-9-76
7.	Shri A. Bagchi	22-11-76
8.	Shri A. P. Das	30-8-76
9.	Shri D. S. Bohra	10-9-76
10.	Dr. V. D. Agrawal	15-3-77
11.	Shri Amarendra Chakraborti	30-8-76
12.	Shri C. Ramachandran	19-11-76
13.	Shri N. Sreerama Murty	5-12-76
14.	Shri U. K. Biswas	4-2-77
15.	Shri G. Kameswara Rao	13-3-77
16.	Shri Raghunath Mukherjee	26-11-76
17.	Shri S. Banglani	1-2-77
18.	Shri R. P. Singh	2-11-76
19.	Shri S. Pala Sankaram	20-2-77
20.	Shri R. C. Pathak	1-9-76
21.	Shri Debabrata Ghosh	2-4-77
22.	Shri A. K. Lahiri	5-11-76
23.	Shri V. P. Joshi	19-2-72
24.	Shri L. K. Das	11-1-74
25.	Shri R. K. Sarkar	1-1-77
26.	Dr. S. P. Das Gupta	20-12-76

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 10th February 1978

No. 29/7/78-SII.—The Director General, All India Radio, appoints Shri G. B. Patel, Farm Radio Reporter, All India Radio, as Farm Radio Officer at All India Radio, Baroda, with effect from 13-1-78 (F.N.) on purely *ad hoc* basis and until further orders.

A. K. BOSE
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi-1, the 7th March 1978

No. 4(27)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Shukdeo Das Shastri as Programme Executive, All India Radio, Jaipur in a temporary capacity with effect from 16th February, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 8th March 1978

No. 2/24/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. K. Dasgupta, Junior Administrative Officer, All India Radio, Gauhati as Senior Administrative Officer, All India Radio, Calcutta with effect from 28-12-77 (F.N.).

No. 19/6/77-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint the following Senior Grade Stenographers working in News Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Reporter (Monitoring), News Services Division, All India Radio, New Delhi on a purely *ad hoc* basis with effect from the date mentioned against each and until further orders:—

1. Shri D. S. Mehra.—14-2-78 (F.N.)
2. Shri Amar Singh.—20-2-78 (F.N.)

The 9th March 1978

No. 1/5778-SII.—Shri P. Doraiswami, Junior Accounts Officer, Central Board of Excise and Customs, Madras is appointed on deputation to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—1200 in office of the Regional Engineer (South), All India Radio, Madras with effect from 28-1-78 (A.N.) till further orders.

S. V. SESADRI
Deputy Director of Administration,
for Director General.

**MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING
FILMS DIVISION**

Bombay-400026, the 6th March 1978

No. A.12026/7/75-Est.I.—On expiry of the leave granted to Shri M. K. Jain, Officiating Assistant Administrative Officer, Films Division, Bombay, Shri V. R. Peswani, Officiating Assistant Administrative Officer, reverted to his substantive post of Superintendent in the same office with effect from the afternoon of the 24th February, 1978.

The 7th March 1978

No. 7/PFII/48-Est.I.—On attaining the age of superannuation, Shri L. T. Fernandes, Offg. Branch Manager, Films Division, Bombay retired from service from the afternoon of the 28th February, 1978.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer,
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th February 1978

No. A. 19019/22/77-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. Shyam Mohan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 26th March, 1977.

N. S. BHATIA
Deputy Director (ADMN.)
CGHS.

New Delhi, the 8th March 1978

No. A.32012/7/76/(IIP)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Ramaswamy to the post of Scientific Officer-Cum-Tutor in the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 31st January, 1978 in a temporary capacity and until further orders.

S. L. KOTHIALA
Dy. Director Administration

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA
(KRISHI VIRHAG)

VISTAR NIODESHALAYA

New Delhi-1, the 8th March 1978

No. F.2-13/77-Est.(I).—The appointment of Shri K. K. Sharma in the post of Assistant Administrative Officer has been continued beyond 28-2-1978 and upto 30-4-1978.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 6th March 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Est./8821.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated November 28th 1977, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending January 27, 1978 (FN).

The 8th March 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Est./8928.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated January 18, 1978, Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Harihara Iyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending April 29, 1978.

B. G. KULKARNI
for Administrative Officer

Bombay-400001, the 28th February 1978

Ref. No. DPS/41(2)/77-Adm./7484.—In continuation of this Directorate Notifications of even number dated August 26th and October 26, 1977, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Storekeepers in the Central Stores Unit, Trombay to officiate as Assistant Stores Officers on an *ad hoc* basis for a further period ending April 29, 1978 (AN) :—

1. Shri Mihir Chandra Roy.
2. Shri Muliyappurath Raju.
3. Shri Vasant Yeshwant Gokhale.

B. G. KULKARNI
Assistant Personnel Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 3rd March 1978

No. A.32023/1/77/R-6393.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints the following officers to officiate on an *ad hoc* basis in the posts indicated against each in the Reactor Research Centre for the period from 19th January 1978 to 18th February 1978.

Name	To officiate as
1. Shri R. Rajamani (permanent upper Division clerk of Bhabha, Atomic Research centre and officiating Assistant Accounts Officer)	Accounts Officer-II Accounts Officer

2. Shri K.M.Velayudhan (an officiating Asst. Accountant)	Assistant Accounts Officer
---	-------------------------------

S/Shri R. Rajamani and K. M. Velayudhan relinquished charge of the posts of Accounts Officer-II and Assistant Accounts Officer respectively with effect from the afternoon of February 18, 1978.

R. H. SHANMUKHAM
Administrative Officer
for Project Director

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th March 1978

No. E(I)04217.—On attaining the age of superannuation Shri Y. S. Kolhatkar, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director (Agrimet), Pune, India Meteorological Department, retired from the Government Service with effect from the afternoon of 31st January 1978.

G. R. GUPTA
Metecrologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 13th March 1978

No. A. 38013/1/77-EC.—The following officials of Aeronaautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the 31st January, 1978 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation:—

S.No.	Name & Designation	Station of Posting
1.	Shri Pritpal Singh, Asstt. Comm. Officer	ACS, Safdarjung Airport New Delhi,
2.	Shri K. S. Heble, Asstt. Comm. Officer	A.C.S. Madras
3.	Shri D.C. Sarkar, Asstt. Tech. Officer	A.C.S. Calcutta.

S. D. SHARMA,
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 3rd March 1978

No. A. 32013/6/76-ES.—In continuation of this office Notification No. 32013/6/76-ES, dated the 13th January 1978 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector upto 21st June 1978 or till the posts are regularly filled whichever is earlier.

- | S. No. and Name |
|--------------------------------|
| 1. Shri Lalit Mohan Mathur. |
| 2. Shri Harihar Prasad. |
| 3. Shri Ramesh Narayan Sastry. |

No. A 32013/6/76-ES.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/6/76-ES, dated the 13th January 1978 the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of the undermentioned officers to the grade of Aircraft Inspector for a period of six months or till the posts are regularly filled, whichever is earlier.

S. No. and Name

1. Shri Anupam Bagchi.
2. Shri S. Majumdar.
3. Shri H. M. Phull.
4. Shri L. A. Mahalingam.
5. Shri A. K. Ray.
6. Shri S. P. Singh.
7. Shri D. P. Ghosh.

S. L. KHANPUR
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 4th March 1978

No. A.32013/14/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri P. K. Ramachandran, Director, Air Routes and Aerodromes (Operations) and Representative of India on the Council of International Civil Aviation Organization, as Deputy Director General of Civil Aviation, New Delhi, with effect from the 23rd February 1978 (Forenoon).

P. C. JAIN
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 7th March 1978

No. A.32013/7/75-EA.—The President has been pleased to sanction the continued *ad-hoc* appointment of the following officers as Aerodrome Officers in the Civil Aviation Department for a further period of three months with effect from the 1st January, 1978, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri J.S.R.K. Sharma	Madras Airport, Madras.
2.	Shri M. P. Jain.	Safdarjung Airport, New Delhi
3.	Shri Amir Chand.	Chandigarh.

No. A. 39013/2/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to accept the resignation from service of Shri A. K. Oswal, Assistant Aerodrome Officer, Calcutta Airport, Dum Dum with effect from the 21st February 1978 AN.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th March 1978

No. 1/98/78-EST.—Shri G. S. Chhatwal, Technical Assistant, New Delhi Branch, has been appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, purely on *ad-hoc* basis, in the Videsh Sanchar Bhavan, New Delhi with effect from 2nd July 1977 (FN) and until further orders.

P. G. DAMI.E
Director General

Bombay, the 10th March 1978

No. 1/183/78-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. S. Rao, Supervisor, Madras Branch as Dy. Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 7th Novem-

ber 1977 to 24th November 1977 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY
Administrative Officer
for Director General

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 9th March 1978

No. 16/255/77-Ests-I—Dr. R. N. Chibbar, Research Officer Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has resigned from his post with effect from the afternoon of 31st December 1978

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE &
CUSTOMS

Nagpur, the 8th March 1978

No. 1/78.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri J. K. Ahir, Inspector of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Examiner of Accounts, Central Excise, Hqrs. Office, Nagpur in the forenoon of 10th January 1978.

No. 3/78.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri V. B. Hinge, Inspector of Central Excise has assumed the charge as Superintendent of Central Excise, M. O R. Kamptee in the forenoon of the 23rd January 1978, relieving Shri B. Singh, Superintendent, Central Excise Group 'B' transferred to Raigarh in Indore Collectorate.

M. R. PAROOLAKER
Collector

Patna, the 10th March 1978

C. No. II(7)2-ET/78-3029.—Sri T. S. Verma, Superintendent, Superintendent of Central Excise and Customs Group "B", who proceeded on leave preparatory to retirement, *vide* Estt. order No. 179/77, dated 18th July 1977 after relinquishing his charge as Superintendent (Stt.) Central Excise Hqrs. Office, Patna, retired from service on superannuation w.e.f 31st December 1977 (A.N.).

C. No. II(7)2-ET/78.—Sri T. S. Verma, Superintendent, Central Excise and Customs Group "B" who proceeded on leave preparatory to retirement, *vide* Estt. order No. 216/77, dated 19th August 1977, after relinquishing his charge as Superintendent (Tech.) Customs, Patna, retired from service on superannuation w.e.f. 31st December 1977 (A.N.).

The 13th March, 1978

C. No. II (7)1-ET/77-3046—In pursuance of this office Estt. order No. 327/77, dated 8-12-77 the following Inspectors on promotion to officiate as Superintendent Central Excise Customs have assumed charge as Superintendent Central Excise Group "B", in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, at the places and with effect from the dates and hours as indicated against each:—

Name of officer	Place of Posting	Date of assumption of charge
1. Sri Hriday Narain	Superintendent, Central Excise Bankipur-I Range	26-12-77
2. Sri C. K. Jha	Superintendent (Prev.) Central Excise, Purnea	18-1-78

A. M. SINHA,
Collector.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 7th March 1978

No. 10-4/75-CH FSTT.—Consequent on the recommendations of Departmental Promotion Committee the appointment of following Officers promoted as Assistant Hydrogeologist in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200/- on *ad hoc* basis is hereby regularised w.e.f. 20th January 1978.

1. Dr. A. N. Lal
2. Shri G. Vijay Reddy
3. Shri Subhash Datta
4. Shri S. K. Bansal
5. Shri M. V. Rao.

They will be on probation for a period of 2 years w.e.f. 20-1-78 which may be extended at the discretion of the competent Authority. Other terms and conditions of their appointment will remain unchanged.

B. K. BAVEJA
Chief Hydrogeologist and Member

DIRECTORATE GENERAL (WORKS)
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th March 1978

No. 27-C/S(2)/76-ECIL.—The President is pleased to accept the notice dated 20th January 1978 given by Shri N. V. Shastri, an officiating Chief Engineer, CPWD to retire from service. Accordingly Shri Shastri retired from Service with effect from the afternoon of 31st January 1978.

S. S. P. RAU
Dy. Director of Admn.
for Director General (Works)

INDIAN RAILWAYS
CHITTARANJAN LOCOMOTIVE WORKS

Chittaranjan, the 7th March 1978

No. GMA/GS/8(Med.).—Dr. C. M. Dutta, offg. Distt. Medical Officer of this Administration is confirmed as Asstt. District Medical Officer in Class I service in the cadre of Medical Department of the Chittaranjan Locomotive Works with effect from 1st January 1973 (F.N.).

K. S. RAMASWAMY
General Manager

SOUTH EASTERN RAILWAY
GENERAL MANAGER'S OFFICE

Calcutta-43, the 6th March 1978

No. P/G/14/300E.—Shri G. T. Rajan, Offg. Class II Officer of the Personnel Branch is confirmed in that appointment with effect from 1st February 1976, and allotted to the Civil Engg. Department.

J. N. KOHLI
General Manager

MINISTRY OF LAW
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Vashisht Chit Fund & Finance Company Private
Limited*

Jullundur, the 7th March 1978

No. G/Stat/560/3235/13397.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the

date hereof the name of the M/s Vashisht Chit Fund and Finance Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registrar and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Hind Publishers Limited*

Jullundur, the 8th March 1978

No. G/Stat/560/1021/13412.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Hind Publishers Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Uma Hotels Private Limited*

Cuttack, the 8th March 1978

No. A-630/6844(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Uma Hotels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chatterjee & Chakravarti (Paper) Limited*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 9588/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chatterjee & Chakravarti (Paper), Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Victory Films Private Limited*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 21275/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Victory Films Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Neptune Electronics Private Limited*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 28261/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Neptune Electronics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bogra Coal Co. Private Limited*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 28637/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of the Bogra Coal Co. Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nega Jemehar' Coal Company Private, Limited*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 28638/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of the Nega Jemehari Coal Company Private, Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Daga Coal Traders Private Limited"*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 28639/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Daga Coal Traders' Private, Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
.Premier Poly Clinic (Pvt.) Limited"*

Calcutta, the 9th March 1978

No. 29231/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Premier Poly Clinic (Pvt.), Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (South) Limited"*

Calcutta, the 10th March 1978

No. 29796/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date thereof the name of the Parakh Kothi (South), Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH
Asstt. Registrar of Companies
West Bengal

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Kiki Baba Loans Private Ltd. (In Liquidation)"*

Delhi, the 9th March 1978

No. 1/Liqn/3264/4702.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Kiki Baba Loans Private, Limited (In Liquidation) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. K. ARORA

Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 10th March 1978

No. F-48-Ad(AT)/77-P.II.—1. On reaching the age of superannuation, Sri M. M. Prasad, Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Patna Benches, Patna retired from the Government service with effect from the afternoon of 28th February 1978.

2. On reaching the age of superannuation, Sri U. N. Krishnamurthy, Assistant Registrar in the Income-tax Appellate Tribunal, Jaipur Bench, Jaipur retired from the Government service with effect from the afternoon of 28th February 1978.

P. D. MATHUR,
President

FORM ITNS—

(1) Smt. Swarnalata Devi
W/o Kamala Kanta Mohanty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 19th January 1978

Ref. No. 64/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing Khata No. 1477 situated at Town-Bisinabar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Dist. Sub-Registrar, Cuttack on 4-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Town Bishnabbar, Cuttack in Khata No. 1477, Khasada No. 1223 under the jurisdiction of Dist. Sub-Registrar, Cuttack and registered by sale document No. 3458 dated 4-7-77.

A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 19-1-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW-DELHI-(110001)**

New Delhi, the 14th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1301/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

110/3 situated at Banarsi Dass Estate, Timarpur Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 13-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

\$/Shri
(1) 1. Nathu Ram s/o Late Shri Makhan Lal
2. Manohar Lal s/o Late Shri Makhan Lal
3. Rameshwar Dass s/o Shri Nathu Ram
4. Rajinder Kumar s/o Shri Manohar Lal
5. Smt Chalti Devi w/o Shri Nathu Ram
6. Smt. Ram Murti w/o Shri Manohar Lal
All residents of 110/3 Banarsi Dass Estate, Delhi.
(Transferor)

(1) 1. Shri Ram Jiwan s/o Shri Moti Lal
2. Smt. Sunder Devi w/o Shri Ram Jiwan
3. Shri Mohan Lal s/o Shri Moti Lal
4. Smt. Suman w/o Shri Mohan Lal
Residents of Bhagat Street, Barmer (Rajasthan)
5. Shri Champa Lal s/o Shri Moti Lal
6. Smt. Geeta Devi w/o Champa Lal
7. Shri Tara Chand s/o Shri Moti Lal
8. Smt. Kusam Lata w/o Shri Tara Chand
Residents of 7-B, Court Lane, Schgal Colony, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building with basement garages and out-houses with free-hold land underneath measuring about 1891.94 sq.yds. including land reserved for road widening measuring 185 sq. yds. bearing plot No. 110/3 fitted with electric and water meters situated at Banarsi Dass Estate, Timarpur Road, Delhi and bounded as under :—

East : Main Timarpur Road
West : 15 ft. wide service Road
North : 25 ft Road
South : Plot No. 110/2 and open space for lawn.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date : 14th March 1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI-(110001)**

New Delhi, the 14th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1302/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3/23 situated at Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 15-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—6GJ/78

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Gurdas Ram
R/o BE-243, Hari Nagar, New Delhi
As Regd. Gen. Attorney of Smt. Kartar Kaur
Wd/o Shri Harnam Singh,
2. Rajinder Singh
3. Onkar Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Nasib Kaur w/o Shri Swaran Singh,
R/o MS-99 Hari Nagar, New Delhi and
2. Smt. Sunita Rani w/o Shri Joginder Singh
R/o BE-243 Hari Nagar, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. S. S. J. S. Mechanical Works,
2. M/s. Gaylord Industrial Corporation.

(Persons(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of the lease-hold property No. 3/23, Industrial Area, Kirti Nagar, New Delhi with the lease-hold rights of the land measuring 400 sq. yds. under the said property and bounded as under :—

North : Property No. 3/24.
South : Property No. 3/22
East : Main Road 40' wide
West : Property No. 3/2.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date : 14th March 1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gopal Das s/o Shri Jai Ram
R/o D-162, Vivek Vihar, Shahdara,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Subhash Chand Bhutani
s/o L. Narsing Dass
R/o S-480 Greater Kailash,
New Delhi.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAFA LI ROAD,
NEW-DELHI-1(110001)

New Delhi, the 15th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.II/1303/77-78.—Whereas, I, N. S. CHOPRA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land 1/60, 1/61 situated at Village Ziauddinpur, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 29-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land area 26 bighas 16 biswa Khasra Nos. 1 etc./60(25-9), i etc./61(1-7) situated in Village Ziauddinpur, Village Shahdara, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6,
Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-3-1978
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Ghansham Dass, Kanhaiya Lal and
Mohinder Lal s/o Shri Deep Chand
R/o A-6, Mayfair Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kumari Indu Sobti and Kumari Kamni Sobti
ds/o Shri Om Parkash Sobti
r/o 1/7, House No. 6108 Dev Nagar, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW-DELHI-(110001)

New Delhi, the 15th March 1978

Ref. No. JAC.ACQ.III/SR.III/Aug/711(9)/77-78.—
Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8093/XVI situated at Prabhat Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR.III on 10-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

2½ storeyed building bearing Municipal No. 8093, Ward No. XVI, with the leasehold rights of the land measuring 256.7 sq. yds, bearing plot No. 52/25, Parbhav Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Property No. 52/24
East : Road
West : Service Road

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Delhi : 15-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW-DELHI-(110001)**

New Delhi, the 18th March 1978

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Nov/1792/77-78.—

Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-20 situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. III on 15-11-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Vijay Kumar Agarwal
S/o Late Shri Daya Ram
2. Miss Alka Shefali Agarwal
D/o Shri Vijay Kumar Agarwal and
3. M. Aditya Agarwal
S/o Shri Vijay Kumar Agarwal
All r/o J-11, Malviya Nagar, New Delhi,
(Transferor)

(2) Shri Amba Prasad Agarwal
S/o late Shri Shyam Lal Agarwal and
Smt. Shanti Agarwal
W/o Shri Amba Prasad Agarwal
R/o S-36, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential plot of land measuring 291 sq. mt. (348 sq. yds.) bearing No. 20 in Block No. C, situated in residential colony known as Green Park Extension, New Delhi and bounded as under :—

North : Service Lane
South : Main Road of 36' width
East : House No. C-21
West : House No. C-20A

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 18-3-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. S. Agia Singh s/o Anar Singh
 2. S. Harbax Singh
 3. S. Prithipal Singh s/o Sohal Singh,
 4. S. Satnam Singh
 5. Smt. Prem Kaur
 6. Smt. Amarjit Kaur and
 7. S. Karam Singh
 Trustees of Anar Singh Chanchal Singh Charitable Trust, 29, Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Shri Lok Nath Jain s/o Ladha Mal
 2. Shri Chandra Prakash s/o Lok Nath
 3. Shri Ravindra Kumar s/o Shri Lok Nath
 5. Shri Fateh Chand s/o Shri Ladha Mal and
 5. Master Pankaj s/o Shri Fateh Chand
 All r/o 5375, Basti Harphool Singh, Sadai Thana Road, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property comprising a double storey dwelling house along-with the land underneath and in connection therewith, ad-measuring 1288 sq. yds equal to 1078 sq meters bearing Khasra No. 720/21 situated in Block No. 29, Plot No. 56, Park Area, Karol Bagh, New Delhi bounded as under :—

North : Road
 South : Service lane
 East : House on Plot No. 28
 West : House on Plot No. 30

A. L. SUD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III,
 Delhi/New Delhi.

Date : 18-3-1978

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
 NEW-DELHI-1(110001)

New Delhi, the 18th March 1978

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/August/721(12)/77-78.—
 Whereas, I, A. L. SUD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

29, situated at Park Area, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at III on 25-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 9th March 1978

No. Acq.23-1-1387(639)/11-4/77-78.—Whereas, J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property as aforesaid exceeds the apparent consideration and bearing No.

M. No. 11-4-77, City Survey No. 3, S. No. 3178 situated at Mahatma Gandhi Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 7-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. National Petroleum Co.
Through its partner
Shri Lakhmshi Karsandas & Others,
Mahatma Gandhi Road,
Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Harilal Bhagwanjibhai,
Latibazar, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 200-28 sq. yds. bearing M. No. 11-4-79, City Survey Ward No. 3, Survey No. 3177 and 3178, situated at Mahatma Gandhi Road, Porbandar, and as fully described in the sale-deed registered under registration No. 1554 dated 7-7-1977 by the Registering Officer, Porbandar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. National Petroleum Co.
Through its partner
Shri Lakhmshi Karsandas & Others,
Mahatma Gandhi Road,
Porbandar.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SI
TIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDI OOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

(2) Shri Kantilal Bhagwanjibhai,
Latibazar, Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 9th March 1978

Ref. No. 23-5-1387(640)11-4/77-78.—Whereas, I,
S. C. PARIKH
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M. No. 11-4-77, City Survey No. 3, S. No. 3178 situated at Mahatma Gandhi Road, Porbandar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 7-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land admeasuring 205.86 sq. yds. bearing S. No. M11-4-79, City Survey Ward No. 3, Survey No. 3178, situated at Mahatma Gandhi Road, Porbandar, and as fully described in the sale-deed No. 1555 dated 7-7-1977 registered by the Registering Officer, Porbandar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-3-1978
Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 14th March 1978

Ref. No. P.R. No. 642 Acq.23-I-1374/5-1/77-78.—

Whereas, I, S. C. PARikh

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1218A, Ambawadi Road,
situated at Ward No. 6, Ambawadi Road, Bhavnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 28-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satish Ramniklal Purohit,
Power of Attorney Holder of
Shri Ramniklal Chimanlal Purohit,
24, Gulistan, Bombay-26.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Patel Devaji Raghav;
2. Dayal Devaji;
3. Zabhubhai Devjibhai;
4. Babubhai Devjibhai;
Village Dhadhavadar,
Taluka Dhandhuka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 688-96 sq. meters situated at Ambawadi, Ward No. 6, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 942 dated 28-7-1977.

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14th March, 1978

Seal :

FORM ITNS
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 14th March 1978

No. Acq.23-I-1377(641)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S.No. 639, Plot No C&D, situated at 7, Panchnath Plot & Corner of Subhash Road, Opp. Lal Bahadur Shastri Medan Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—6GI/78

(1) Shri Mulubhai Kalyanjibhai Kakkad,
8, Kashi Vishwanath Plot,
Rajkot.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxmidas Popatlal Ranpura,
2. Smt. Sharada Laxmidas,
3. Shri Dilip Laxmidas,
4. Shri S. L. Ranpura,
7, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 310-0-72 sq yds. bearing S. No. 639, Plot No. C & D, situated at 7, Panchnath Plot, Opp. Lal Bahadur Shastri Medan, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 1997 dated 1-9-1977 (received during F. No. 15-9-1977 from the Registering Officer, Rajkot).

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 14th March, 1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1978

Ref. No. 15/JULY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 298 situated at Mint Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sowcarpet, Madras (Doc. No. 280/77) on 20-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. K. V. Meenakshi Ammal,
W/o K. Velayudhan,
No. 298, Mint Street,
Madras 600001.

(Transferor)

(2) Mrs. R. Jayarani,
W/o Shri G. Ramasubbu,
36, Arumugam Street,
Madras 600001.

(Transferee)

(3) 1. Shri G. Krishnan
2. Smt. S. Jayalkshmiammal
3. Shri S. Peer Mohammed
4. Shri E. Mohideen Pitchai
5. Shri E. Mohamed Meeran

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,103 sq. ft. with building thereon at door No. 298 (R.S. No. 1324), Mint Street, Madras 600 001.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 10-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Balasubramaniam
1-A, S. V. V. Naidu Street,
Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Natarajan
2/133 Pulankinar, 642 122,
Udumalpet Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 14th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. F.4377/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50% of 13.83 Acres, situated at S. Nos. 98, 99 and 97, Puliyampatty village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pollachi (Doc. No. 1123/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Puliyampatty village.

S. No.	Extent A. C.
98	0 72
99	6 87
97	6 24
Total	13 83

Half share in 13.83 Acres.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1978
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri R. Balasubramaniam
S/o Shri Ramanlingam Pillai
1 A, S. V. V. Naidu Street,
Pollachi.

(Transferor)

(2) Shri P. Mylsami
2/133 Pulankinar, 642 122,
Udumalpet Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th March 1978

Ref. No. I-4377/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50% of 13.83 Acres, situated at S. Nos. 98, 99 and 97, Pulampatty village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1124/77) on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pulampatty village.

S. No.	Extent	
	A.	C.
98	0	72
99	6	87
97	6	24
Total	13	83

Half share in 13.83 acres.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Date : 14-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6.

Madras-, the 22nd February 1978

Ref. No. F. No. 4385/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

157-C, 157-D & 157-E,
situated at Avanashi Road, Anupparpalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1484/77 on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shenbagavalli
D/o Shri P. Muthusami Gounder;
Shri M. Dhanapal
S/o Shri P. Muthusami Gounder
No. 296 Oppanakkara St.
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri P. K. Ramasami Chettiar
S/o Shri Karian Chettiar
Kunnathurpudur,
Avanashi Taluk
Coimbatore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Door Nos. 157-C, 157-D and 157-E Avanashi Road, Anupparpalayam, Coimbatore. (Doc. No. 1484/77).

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-2-78

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
**ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.**

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F. No. 4385/July/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 157, 157-A and 157-B

situated at Avanashi Road, Anupparpalayam, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doc. No. 1485/77—JSR III Coimbatore on July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I do hereby commence proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under subsection 269D of the Act, to the following

(1) Smt. Shenbagavalli
D/o Shri P. Muthusami Gounder;
Shri M. Dhanapal
S/o Shri P. Muthusami Gounder
No. 296 Oppanakkara St.
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. R. Janaki
W/o Shri P. K. Ramasami Chettiar
Kunnathurpudur,
Avanashi Taluk
Coimbatore District.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDEULE

Property bearing Door Nos. 157, 157-A, 157-B
Avanashi Road, Anupparpalayam, Coimbatore. (Doc. No. 1485/77).

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 22-2-78

Seal :

FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6.**

Madras-6, the 16th March 1978

Ref. No. 49/JULY/1977.—Whereas, I, A. T. GOVINDAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 4, R.S. 145/2 & 3 situated at K. K. Nagar, Tallakulam, Madurai (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tallakulam, Madurai (Doc. No. 925/77 on 22-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. L. Singaram,
No. 215-A, Gandhiji Road,
Thanjavur.

(Transferor)

(2) Ooncha alias Lakshmi Ammal,
31-32, Koodalaga Perumal Koil Street,
Madurai.

(Transferee)

(3) Shri K. S. Thomas,
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12½ cents (2 grounds 637 sft.) with building thereon at Plot No. 4, R.S. No. 145/2 and 3, K. K. Nagar, Tallakulam, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date : 16-3-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 25th February 1978

(1) Shri Kailash Narayan s/o Shri Sawaldas Agrawal
R/o Jinsipul Patankar Bazar,
Lashkar, Gwalior.

(Transferor)

(2) Smt. Malti Gupta w/o Shri Prakash Chand Gupta
R/o Birz-Ki-Goth, Janak Ganj,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/940.—Whereas, I, R. K. BALI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 17-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 25/579 (Part) situated at Inder Ganj, Chauraha Lashkar, Gwalior.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-2-1978
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Jagdish Chand Goel
S/o Shri Hari Shankar Goel
R/o Jain Mandir Road, Murena.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Chandra Goel
S/o Shri Medi Chandra Goel
R/o Jain Mandir Road, Murena.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 25th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/941.—Whereas, I, R. K. BALI being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Murena (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murena on 14-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 140/3, Thattapura Ward, No. 7, Nala No. 2 situated at City Murena.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—6G1/78

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Chandmal s/o Shri Mannalal Murdia
R/o Badi Holi, Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Madarsa Safiya Prapgarh (Raj.)
Regd. Sanstha through Shri Rasul Bhai
S/o Shri Hasmad Ali Bohra
R/o 23/1 Narainpura, Mandsaur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 25th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/942.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

House situated at Mandsaur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 8-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 23/1, situated at Ward No. 17 Nazampura, Mandsaur.

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE.
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 25th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/943.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Houses situated at Murwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Murwara on 29-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rajaram s/o Bhaiyalal
2. Shri Vijai s/o Shri Hukum Chand
3. Smt. Phool Rani w/o Shri Hukum Chand
4. Saroj Kumari
5. Sushma Kumari
6. Shunita Kumari
7. Devendra Kumar
All sons and daughters of Shri Hukum Chand Naik
R/o Gulwara, Teh. Murwara,
Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Chauthi Bai wd/o Shri Nandlal Gattani
R/o Gandhi Ganj, Murwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 161/1 and 161/2 bearing No. 493 situated at Hanuman Ganj, Murwara.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 25th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/946.—Whereas, I, R. K. BATTI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Two House situated at Murwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Murwara on 29-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rajaram s/o Shri Bhaiyalal
2. Shri Vijai Krishna
3. Smt. Phool Rani w/o Shri Hukum Chand
4. Saroj Kumari
5. Sushama Kumari
6. Shunita Kumari
7. Devendra Kumar
All sons and daughter late Shri Hukum Chand Naik
R/o Gulwara, Teh. Murwara,

(Transferor)

- (2) Shri Sawaldas s/o Shri Krishna Gattani
R/o Gandhi Ganj, Murwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

House No. 161/3 and 161/4, bearing No. 493 situated at Hanumanganj, Murwara.

R. K. BATTI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Shri Balbir Singh s/o Shri Niranjan Singh through Shri Alambir Singh s/o Shri Avtar Singh r/o Bhapsauli Teh. Khurai Distt. Sagar,
(Transferor)

(2) 1. Smt. Upmadedip Kaur w/o Shri Avtar Singh
2. Shri Avtar Singh s/o Shri Niranjan Singh Both r/o Bhapsauli Teh. Khurai.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 25th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /77-78/944.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 13500, situated at Khurai (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurai on 29-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open land area 13500 sq. ft. Khasara No. 192 R.I., bearing No. 393 situated at Nehru Ward, Khurai.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
Bhopal M.P.

Bhopal, the 25th February 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/945.—Whereas, I, R. K.

BALI
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Cinema situated at Chirmiri
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Manendragarh on 11-7-77
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. B. B. Lahri and sons
through partner Shri Prasant Kumar Lahri
r/o Chirmiri Teh. Manendragarh Distt. Sarguja.
(Transferor)

(2) Shri Amal Chand Nahare
S/o Shri Manendranath Nahare
r/o Chirmiri Teh. Manendragarh Distt. Sarguja.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Total area of land 2220 sq. mt. with constructed Cinema Hall situated at Chirmiri Teh. Manendragarh Distt. Sarguja.
Date : 25-2-1978

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 25-2-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/947.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 18-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Kasturilal Mathuradas
Son of late Shri Rai Bahadur M. Mathura Das
r/o Pearl Mention, 5th Floor, Queens Road,
Bombay-40020,

(Transferor)

(2) 1. Shri Trilokinath Dubey
2. Shri Rajen Prasad Dubey
3. Shri Nemichand Golcha
4. Shri Khemchand Golcha
All r/o Sadar Bazar Main Road,
Jabalpur Cantt. (MP).

(Transferee)

(3) M/s. Rajendra Cycle Stores and other tenants.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building known as "Moti Building" situated at Sadar Bazar, Main Road, Jabalpur Cantt. (MP).

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. G.T. Industries of Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Naunidh Industries of Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/948.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kacha house situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 29-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Kacha house area 3500 Sq. ft. Khasra No. 538 situated at Pondri Tarai Tahsil, Raipur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Pateria
r/o Gole Bazar, Jabalpur.
(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar s/o Shri Nathuram Jain
r/o Sahapur Mangron, Disstt. Sagar.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st March, 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/949.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 5-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor or the transferee to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House—Corporation No. 139 with its land at Nazul Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102, area 637 Sq. ft. at Jonesganj, (New) Ward Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
15—6G1/78

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar Pateria
r/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/950.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jabalpur on 5-7-77

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Madhu Sudan s/o Shri Bhanji Bhai Gala r/o Jawahar Ganj, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House—Corporation No. 140 (Part) with its land at Nazul Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102 area 807 sq. ft at Janesganj, (New) Ward Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS —————

- (1) Shri Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar
Pateria R/o Gole Bazar, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Smt. Nirmala Ben w/o Shri Vijai Kumar Gala
R/o Jawahar Ganj,
Jabalpur.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/951.—Whereas, I, R. K. BALI
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Jabalpur on 25-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Corporation No. 140 (Part) with its land at Nazul Part Plot No. 1236 Block Nos. 101 and 102, area 600 sq.ft. at Jonesganj, (New) Ward Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-3-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar Pateria
R/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

(2) Shri Nirmal Kumar s/o Shri Gyan Chand Jain
R/o Mohalla Maccharhai, Ganjpura Ward, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/952.—Whereas, I, R. K. BALL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House Corporation No. 138—with its land at Nazul Part Plot No. 123 Block Nos. 101 and 102, area 650 sq. ft. at Jonesganj, (New) Ward Ganjpura, Jabalpur.

R. K. BALL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/77-78/953.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (Part) situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar Pateria R/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferee)

(2) Smt. Shanti Bai w/o Shri Chhoelal Sombanshi R/o Tula Ram Chouk, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storyed House—Corporation No. 135 (Part) with its land at Nazil Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102, area 322 sq. ft. at Jonesganj, (New) Ward, Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar
Pateria R/o Gole Bazar, Jabalpur.
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Meena Bai w/o Shri Ratan Chand Naik
R/o Sarafa Ward,
Jabalpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/954.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House (Part) situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 5-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House—Corporation No. 136 and 138 (Part) with its land at Nazul Part Plot No. 123, Block Nos. 101 and 102, area 266 sq. ft. at Jonesganj, (New) Ward Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Shri Harsh Pateria s/o Shri Sushil Kumar
Pateria R/o Gole Bazar, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 1st March 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/955.—Whereas, I, R. K. BALI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 25-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Krishna Kumar
s/o Shri Lala Bal Kishandas Arora
R/o Mukaddam Ganj,
Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Corporation No. 134 (Part) with its land at Nazul Part Plot No. 12J, Block Nos. 101 and 102, area 310 sq.ft., at Jonesganj, ((New) Ward, Ganjipura, Jabalpur.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 1-3-1978

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Kunhi Faman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sethumadhavan Nair.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
MARHENA BUILDINGS, M. G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. I.C. 173/77-78.—Whereas, I, C.P.A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalapuram on 15-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

13 cents of land with buildings in Sy. No. 327/5 (R.S. No. 20-5-11) of Panniankara amsom desom, Kozhikode.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raman Menon & 30 others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Jose Antony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Ref. No. L.C. No. 174/77-78.—Whereas, I, C.P.A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. AS PER SCHEDULE situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 26-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

11.375 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Ernakulam village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16—6GI/78

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramanmenon & 30 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jose Antony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M.G. ROAD
ERNAKULAM COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Ref. No. L.C. 175/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

AS PER SCHEDELE situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 27-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

11.400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Ernakulam village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raman Menon & 30 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
 MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD
 ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Ref. No. L.C. 176/77-78.—Whereas, I, C.P.A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No.

AS PER SCHEDULE situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11.375 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Ernakulam village.

C. P. A. VASUDEVAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raman Menon & 30 others.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(2) Sri Jose Antony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
ERNAKULAM, COCHIN-682016

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Cochin-682016, the 13th March 1978

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. I.C. 177/77-78.—Whereas, I, C.P.A. VASUDEVAN being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 28-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

11.400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Efnakulam village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Raman Menon & 30 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Jose Antony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
MARIENA BUILDINGS, M. G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to thee undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. L.C. 178/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCIEDUI.F, situated at Ernakulam village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-7-1972 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

11,400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Ernakulam village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Raman Menon & 30 others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Sri Jose Antony.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE,
MARENA BUILDINGS, M. G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. L.C. 179/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 29-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

11.400 cents of vacant land in Sy. No. 884/1 at Ernakulam village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978
Seal :

FORM ITNS

S/Shri

- (1) 1. R. V. Ramachandran (by Sri Rama Varma Appan Thampuran).
2. R. V. Sadasivan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD
ERNAKULAM, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th March 1978

Ref. No. L.C. 180/77-78.—Whereas, I, C. P. A. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at Ernakulam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

28 7/8, cents of land in Sy. No. 2611/1 in Ernakulam village.

C. P. A. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Unnam Raja Mohan,
S/o Rajarao, B.Ed., Asst., Z.P.H. School,
Duggirala, Tenali Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 548.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 21-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid person within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 3675 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-7-77.

THE SCHEDULE

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 5-1-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Unnam Manual Prasad,
S/o Rajarao, S. G. Auditor, R.A, Section.
Narasaraopeta.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ali, S/o Akbar Saheb,
Pr. in M/s. Standard Mechanical Sales.
Opp. R.T.C. Bus Stand.
Guntur-522001.

(Transferee)

(3) Sheik Peri Saheb, Guntur.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 549.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 21-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3674/75 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-7-77.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—6GI/78

Date : 5-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Unnam Vittalrao,
S/o Rajarao, S.I. Auditor, Nagarampalem,
Police Station side Road,
Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ali, S/o Akbar Saheb,
Pr. in M/s. Standard Mechanical Sales,
Opp. R.T.C. Bus Stand.
Guntur-522001.

(Transferee)

(3) Sheik Peru Saheb, Guntur.
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 550.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 21-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3673/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-7-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 5-1-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 5th January 1978

Ref. No. Acq. F. No. 551.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS No. 5/1 situated at Gunturivari Thota, Guntur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on 21-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Unnam Rajarao,
S/o Yellaiah, Reid. Post Master,
Duggirala, Tenali Tq.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ali, S/o Akbar Saheb,
Pr. in M/s. Standard Mechanical Sales,
Opp. R.T.C. Bus Stand,
Guntur-522001.

(Transferee)

(3) Sheik Peru Saheb, Guntur.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3672/77 registered before the Sub-registrar, Guntur during the fortnight ended on 31-7-77.

N K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,

Date : 5-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER**OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 14th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 607.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 27/182 situated at Ravulapadu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudivada on 4-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Tadinada Rajagopalarao,
S/o Venkataramaiah,
Venkataramana stores, Srinivasa Buildings,
Guntur-2.

(Transferor)

(2) Shrimati Golla Ratnabai, W/o Gandhi,
Guruvindagunta (P), Ravulapadu Vg.,
Gudivada Tq.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2305/77 registered before the sub-registrar, Gudivada during the fortnight ended on 15-7-77

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ivaturi Venkatanaga Ramalingeswararao,
Near Apsara Theatre,
Governorpeta, Vijayawada-4.

(Transferor)

(2) Shri Kunanparaju Suryanarayananaraju,
GPA holder K. Bapiraju, SIRIS Pharma.
Brindavan Colony, Labbipet.
Vijayawada-10.

(Transferee)

(3) The Medical Officer,
Employees, State Insurance Dispensary.
Labbipeta, Vijayawada.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. F. No. 608.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-15-4 situated at Brundavan Colony, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-7-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2054/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-7-77.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Manthena Venkata Rayapa Raju,
S/o Venkata Raju,
Raja Gas Agency, Labbipeta,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shrimati Dhankula Anuradha, W/o Ramarao,
C/o Kanakadurga Rice Mill,
Labbipeta, Vijayawada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq. F. No. 612.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

40-5-24 situated at Labbipeta, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 7-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1966/77 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Manthena Venkata Rayapp Raju,
S/o Venkata Raju,
Raja Gas Agency, Labbipeta,
Vijayawada.

(Transferor)

(2) Dhanekula Satyakalavathi W/o Ravindranath Tagore
C/o Kanakadurga Rice Mill,
Labbipeta, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 24th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 613.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20-5-24 situated at Labbipeta, Vijayawada

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 7-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1967/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 24-2-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Ravi Nair, S/o K. R. Nair,
GPA holder Rear Admiral (Retd.) K. R. Nair,
227, Defence Colony,
Madras-600097.

(Transferor)

- (2) 1. Dr. K. Suryarao S/o K. S. Prakasrao.
2. Smt. K. Kamaladevi W/o K. Survarao,
J-5, Doctors Quarters,
Visakhapatnam-2.

(Transferee)

- (3) Sun and Sea Hotel,
Waltair.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 27th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 614.—Whereas, I. N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7-10-9A situated at Kirlampudi Lay out, Waltair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 30-7-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2250/77 registered before the Sub-registrar, Visakhapatnam during the fortnight ended on 30-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 27-2-1978

Seal

FORM ITNS

(1) Shri G. Amanullah, S/o Abdul Salam Saheb,
Pallekonda, Vellore Taluk, North Arcot Dist.,
Tamilnadu.

(Transferor)

(2) Shri Jakka Subbarao, S/o Paparao,
Mosque Street, Labbipeta,
Vijayawada.

(Transferee)

(3) M/s. Veeranjanya Engineering Works,
Mosque Street, Vijayawada.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No.
1968/77 registered before the Sub-registrar, Vijayawada
during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

18-6GI/78

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Gudavalli Radha Subbarao,
Budhavaram, Gannavaram Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Suryadevara Kishore Babu
S/o Sitaramaiah,
Kapileswarapuram, Gannavaram Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA**

Kakinada, the 1st March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq. F. No. 616.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS No. 1541 situated at Azzampudi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gannavaram on 5-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1814/77 registered before the Sub-registrar, Gannavaram during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 1-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 2nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 617.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 142 situated at Ajampudi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gannavaram on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Patibandla Sriramamma,
Buddavaram P.O. Gannavaram Taluk,
Krishna Dist.

(Transferor)

(2) 1. Gudavalli Harinathprasadrao,
Agricultural Officer.
2. Gudavalli Varalaxmi,
B/1, Venkatarayapuram,
Tanuku, W.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2129/77 registered before the Sub-registrar, Gannavaram during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 2-3-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) 1. Shri Potta Visweswara Rao,
 2. Mt. P. Ramakrishna,
 Minor by guardian father P. Visweswara Rao,
 Fertilizer Merchants,
 Rajam P.O., Srikakulam Dist.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 618.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 42/1 situated at Kanapaka Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 28-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) The Vizianagaram Oil & Cake Co.
 Represented by Partner Sri Surajmal Jhanwar,
 Rega Road, Vizianagaram-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3543/77 registered before the Sub-Registrar, Vizianagaram during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Kakinada.

Date : 9-3-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA,
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 10th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 620.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 433/77 situated at Nagulapadu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakumanu on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—496 GI/77

(1) Shri Nizampatnam Subbaiah,
2. Shri N. Dasaradha Ramaiah,
3. Shri N. Srinivasulu,
Minor by Guardian father Sri N. Subbaiah,
Nagulapadu, H.O. Katrapadu,
Bapatla Tq., Guntur Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Andhra Cotton & Agricultural Corporation,
Represented by Sri Nannapaneni Venkata Krishniah, Managing Partner,
Nagulapadu (P.O.), Via Pedanandipadu-522235,
Guntur Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 544/77 registered before the Sub-registrar, Kakumanu during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Sri S. Venkatasubbaiah,
S/o Venkatappaiah,
2. Sri S. Ramaiah,
3. Sri S. Huriprasadarao,
Jammulapalem P.O., Prakasam Dist.

(Transferor)

- (2) Sri Nalluri Pattabhiramaiah,
S/o Venkatanarayana,
Mangamooru, Prakasam Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 10th March 1978

Ref. No. Acq F. No. 621.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 603 situated at Jammalapalem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole in July 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1787/77 registered before the Sub-registrar, Ongole during the fortnight ended on 15-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Mallipudi Kamaraju, S/o Subbanna,
2. Smt. M. Venkayamma,
Gollapeta, Ramachandrapuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Alluri Bhulakshmi alias Bulliammayi,
W/o Satyanarayana Murty,
Pekru, Ramachandrapuram Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 17th March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 631.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 217/3, 218/3 & 220/13 Ramachandrapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ramachandrapuram on 29-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1713/77 registered before the Sub-registrar, Ramachandrapuram during the fortnight ended on 31-7-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-3-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1978

Ref. No. ASR/53/77-78.—Whereas, I. S. K. GOYAL, IRS, IAC, Acq., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One Khata No. 929-930/11-7, 308/II-3, Chowk Passian, Bz. Warrian, Bz. Guru Bz. Ghali Upplan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jatindar Singh Giani
S/o Bhai Nand Singh
R/o Garden View Mall Road, Amritsar,
Through Shri Dharanvir Singh Jolly
S/o Shri Malik Ram Jolly,
6-Rani Ka Bagh, Amritsar General Attorney,
(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Bhupinder Singh and Jagdish Singh s/o Vishan Singh 24/100 share, Shri Satnam Singh s/o Vishan Singh, Smt. Sujan Kaur w/o Shri Satnam Singh 20/100 share, r/o Green Avenue, Amritsar, Shri Dhan Raj Singh S/o Shri Prem Singh 20/100 share, Smt. Harvinder Kaur w/o Shri Dhan Raj Singh, 30/100 share, R/o Abadi Kishan Garh, Amritsar, (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s)s if any.
(Person in occupation of the property)
(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One khola measuring 472 sq. yds., old No. 981-982-983/11 and 239/ now No. 929-930/11-7, 308/II-3 situated at Bz. Chowk Passian, Bz. Warrian, and Guru Bazar, Amritsar and Gali Upplan, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1108 of July, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-3-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1978

Ref. No. SR.54/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS, IAC, Acq.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One Khata No. 929-930/11-7, 308/II-3, B Chowk Passian, Bz. Warrian, Bz. Guru Bz. Ghali Upplan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—6 GI/78

(1) Chaudhari Baldev Kishan
S/o Chaudhari Rasila Ram,
R/o 112, Daya Nand Nagar, Amritsar,
Shri Raj Pal s/o Jiwan Lal
R/o 45-Krishan Nagar, Lawrence Road, Amritsar.
(Transferor)

(2) S/Shri Gurcharan Singh, Bhupinder Singh and Jagdish Singh ss/o Shri Vishan Singh 24/100 share, Shri Satnam Singh s/o Vishan Singh, Smt. Sujan Kaur w/o Shri Satnam Singh 20/100 share, r/o Green Avenue, Amritsar, Shri Dhan Raj Singh S/o Shri Prem Singh, 20/100 share, Smt. Harvinder Kaur w/o Shri Dhan Raj Singh, 30/100 share, R/o Abadi Kishan Garh, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One khola measuring 472 sq. yds., old No. 981-982-983/11 and 239/2 now No. 929-930/11-7, 308/11-3 situated at Bz. Chowk Passian, Bz. Warrian, and Guru Bazar, Amritsar and Gali Upplan, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1107 of July, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 4-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharam Pal s/o Shri Durga Dass
R/o 15, Cantt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parkash s/o Shri Tara Chand
R/o Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s)s if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. ASR/55/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL
IRS, IAC, Acq.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Khasra No. 3240/1930/2 situated at Mall Road and
Kashmir Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Amritsar City in July 1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 470 sq. yds. situated at Mall Road
and Kashmir Road, Amritsar as mentioned in the registered
deed No. 1152 of July 1977 of Registering Authority,
Amritsar.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-3-1978

Seal ;

FORM ITNS —————

(1) Shri Dharam Pal s/o Shri Durga Dass
R/o 15 Cantt., Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

(2) Shri Ram Parkash s/o Shri Tara Chand
R/o Kani Ka Bagh,
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s)s if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 6th March 1978

Ref. No. ASR/56/77-78.—Whereas, J. S. K. GOYAL, IRS, IAC, Acq. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Khasra No. 3240/1930/2 situated at Mall Road and Kashmir Road Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City in July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 470 sq yds. situated at Mall Road and Kashmir Road, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1205 of July 1977 of Registering Authority Amritsar City.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-3-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Ahmedabad-380009, the 30th December 1977

Ref. No. ASR/57/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS, IAC, Acq. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Plot Nos. 184-185 situated at Abadi Ajit Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar City in July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Harbhajan Singh
Adopted s/o Shri Gurbachan Singh,
Sultanwind Road, Kot Rallia Ram,
(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh s/o Wasawa Singh,
Shri Bakshish Singh s/o Shri Jaswant Singh,
2614-Sultanwind Road, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two common plots No. 184-185 Khasra No. 2305/2283/1831, 2306/2284/1831 situated in Abadi Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 1309 of July 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-3-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION (1978) FOR PROMOTION TO THE GRADE OF ASSISTANT ENGINEER (C.P.W.D.)

New Delhi, the 1st April, 1978

No. F. 25/3/77-EI(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil/Electrical) to the Assistant Engineers' Grade (Civil/Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Service Commission on 18th July, 1978 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHATI), KATHMANDU, MADRAS and NAGPUR in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, dated 1st April, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, Para 8).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows :—

(i) Assistant Engineer (Civil)	250
	(includes 38 vacancies reserved for Scheduled Castes and 19 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
(ii) Assistant Engineer (Electrical)	73
	(includes 11 vacancies reserved for Scheduled Castes and 6 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade, i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commissions office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination (1978) for promotion to the grade of Assistant Engineer (C.P.W.D.). Applications on forms other than the one prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination (1978) for promotion to the grade of Assistant Engineer (C.P.W.D.) will not be entertained.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 15th May, 1978 (29th May, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 15th May, 1978) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show

that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 15th May, 1978.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOELA
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgment card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm X 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable [See para 4(iii) below].

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED AT ITEM (iii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1978. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATE IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in item (i) to (iii) of para 3 are given below :

(i) (a) **CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—**

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Postal Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) **CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—**

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) **Two copies of Photograph.**—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iii) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari—
son*/daughter of _____ of
Village*/town _____ in District*/Division _____
of the State*/Union Territory of _____
belongs to the _____ Caste*/Tribe which is
recognised as Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri*/Shrimati/Kumari _____ and*/or his*/her family ordinarily reside(s) in village*/town _____ of District*/Division _____ of the State*/Union Territory of _____

Signature

**Designation

(with seal of office)

Place State*/Union Territory

Date

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

'Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate, Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of application. Otherwise, the application is liable to be rejected.

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its cases, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. If a candidate does not receive acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

10. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

11. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

STAFF SELECTION COMMISSION

NOTICE

CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP 'D' STAFF), 1978

New Delhi, the 1st April 1978

No. 13/1/78-E.A.—Staff Selection Commission will hold on Friday, the 1st September, 1978, a competitive examination for recruitment to temporary vacancies reserved for Group 'D' Staff in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service, Armed Forces Headquarters Clerical Service, Grade VI, of the IFS Branch 'B', posts of Lower Division Clerks in the Department of Parliamentary Affairs, New Delhi and posts of Lower Division Clerks in the Subordinate Offices of the Government of India where vacancies exist for being filled from the eligible Group 'D' Staff of those offices. The examination will be held at AGARTALA, AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SIMLA, SRINAGAR, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad in accordance with the rules published by the Department of Personnel and Administrative Reforms (Ministry of Home Affairs) in the Gazette of India in Part I Section 1, dated 1st April, 1978.

2. NUMBER OF VACANCIES :

The number of vacancies to be filled on the basis of this examination will be 10% of the total number of vacancies for Lower Division Clerks in a particular Service/Department/Office. Reservation for Scheduled Castes/Scheduled Tribes shall be made according to the orders in force.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY :

(i) Group 'D' employees of any one of the above mentioned Services/Departments/Offices shall be eligible to compete for vacancies existing only in their respective Service/Department/Office.

(ii) EDUCATIONAL QUALIFICATION :
Matriculation or equivalent.

(iii) LENGTH OF SERVICE :

(For Ministries/Departments/Offices other than Subordinate Offices).

The candidates should have rendered on 1st January, 1978, not less than 5 years of approved and continuous Service as a Group 'D' employee or in higher grade in the Ministries/Offices participating in the Central Secretariat Clerical Service Scheme or Armed Forces Headquarters Clerical Service and/or Inter Service Organisations or in the Ministry of External Affairs or its missions abroad or in the Department of Parliamentary Affairs.

(iv) AGE LIMIT :

Not more than 50 years of age on 1st January, 1978 (born not earlier than 2nd January, 1928). This age limit is relaxable upto 5 years for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates.

FOR SUBORDINATE OFFICES :

Group 'D' employees of Subordinate Offices will be governed by rules of their respective offices in respect of (iii) and (iv) above.

4. SELECTION OF CENTRE AND THE ADDRESS TO WHICH APPLICATION SHOULD BE SENT :

Candidates must select only one of the centres mentioned in Para 1 above. No change in centres is ordinarily permissible. A candidate must submit his application only to the address mentioned in Column 2 against the centre/optioned for by him.

4. SELECTION OF CENTRE AND THE ADDRESS TO WHICH APPLICATION SHOULD BE SENT

Candidates must select only one of the centres mentioned in Para 1 above. No change in centres is ordinarily permissible. A candidate must submit his application only to the address mentioned in Column 2 against the centre/opted for by him.

Sl. No.	Centre	Address to which application should be sent
1	2	3
1.	Delhi, Jaipur, Patiala, Simla, Srinagar and any Mission abroad	Controller of Examinations (H.Q.), Staff Selection Commission, West Block-1, R.K. Puram, New Delhi.
2.	Allahabad, Bhopal and Patna	Controller of Examinations (C.R.), Staff Selection Commission, 71/3-B, Stanley Road, Kamla Nagar, Allahabad.
3.	Agartala, Calcutta, Cuttak and Dispur (Gauhati)	Controller of Examinations (E.R.), Staff Selection Commission, Premises No. 15/1 (5th floor) Chowinghee Square, Calcutta.
4.	Ahmedabad, Bombay and Nagpur	Controller of Examinations (W.R.), Staff Selection Commission, Garmilos Building (4th floor), Opposite G.T. Hospital (near Metro Cinema), Bombay.
5.	Bangalore, Hyderabad, Madras and Trivandrum	Controller of Examinations (S.R.), Staff Selection Commission, 150-A, Anna Salai, LLA Building (2nd floor), Madras-600002.

5. SCHEME OF EXAMINATION :

The examination will be conducted according to the following scheme :—

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper No.	Subject	Maximum Marks	Time Allowed
1	2	3	4
I. General English and Short Essay			
(a) Short Essay	100)	20	3 hours
(b) General English	100)	20	3 hours
II. General Knowledge including Geography of India.	100	100	2 hours

SYLLABUS : PAPER I

- (a) Short Essay : An essay to be written on any one of the several specified subjects.
- (b) General English : Candidates will be tested in Drafting, Precis Writing, Applied Grammar and Elementary Tabulation (to test candidates ability in the art of compiling, arranging and presenting data in a tabular form).

PAPER II

Knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person, who has not made a special study of any scientific subject. The paper will include questions on Geography of India.

- 6. Candidates are allowed the option to answer item (a) of Paper I or Paper II or both either in Hindi (in Devanagri script) or in English. Item (b) of Paper I must be answered in English by all candidates. Item (a) of Paper I and Paper II will be published in bilingual form, in English and Hindi.

The option for Paper II will be for the complete paper and not for different questions in it.

7. SELECTION OF CANDIDATES

After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in separate lists, Service/Department/Office-wise in the order of merit, as disclosed by aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified in the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the Examination.

Provided that the candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the SC/ST cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Staff Selection Commission, by a relaxed standard to make up deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

8. TYPEWRITING TEST

Appointment, on the results of this examination, shall be subject to the condition that unless a candidate has already passed one of the periodical typewriting tests in English or Hindi held by the Secretariat Training School or the I.S.T. & M. or Subordinate Service Commission or Staff

Selection Commission, he shall pass such a test at a minimum speed of 30 words in English or 25 words in Hindi per minute to be held by the authority designated by the Government for the purpose within a period of one year from the date of appointment failing which no annual increment(s) shall be allowed to him until he has passed the said test.

The candidates of Subordinate Offices shall be governed by the recruitment rules of their office in this regard.

9. SUBMISSION OF APPLICATION

Application on plain paper (foolscap size) only typed on one side and in double space and duly signed, giving following information together with 3 copies of Candidate's recent photograph (passport size) must reach one of the offices of the Commission mentioned in table under para 4 above, latest by 8th May, 1978 (23rd May, 1978 from candidates residing abroad or in Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep). Applications received after the closing date or not accompanied by photographs shall be rejected summarily. A candidate must submit his application through the Head of his Department, or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forwarded it to the Commission.

10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATION

The Commission will acknowledge receipt of every application. Candidates are advised to send further correspondence, if any, only after they receive this acknowledgement quoting the reference number of the acknowledgement card.

11. ADMISSION CERTIFICATE FOR EXAMINATION

The Commission will, in due course, issue Admission Certificate to every candidate admitted to the examination. If a candidate does not receive the Admission Certificate at least a month before the actual date of examination, he should get in touch with the concerned office of the Commission immediately to secure the Admission Certificate. No candidate will be admitted to the examination without the certificate.

Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Staff Selection Commission for attending the examination.

Any change in address should be immediately communicated to the Commission's office, alongwith six slips showing roll number, name, and new address in block capitals, indicating the name, month and year of the examination.

APPLICATION FOR CLERKS' GRADE EXAMINATION (FOR GROUP 'D' STAFF), 1978.

Signed Passport size photograph of the candidate to be pasted here.

- | | | |
|-----|---|-------|
| 1. | Name of the Candidate | |
| 2. | Postal address (including candidate's name) at which communications should be sent. (in Block Capitals).
(Please enclose six slips indicating your name & Address) | |
| 3. | Exact date of birth | |
| 4. | (a) Name and address of Office where working | |
| | (b) Indicate the Service/Department/Office for which you are competing. | |
| 5. | Are you a member of : | |
| | (i) Scheduled Caste? | |
| | (ii) Scheduled Tribe? | |
| | Answer 'Yes' or 'No'. | |
| 6. | (i) Father's name | |
| | (ii) Husband's name (in case of a lady candidate) | |
| 7. | Educational Qualification (Board/University) | |
| 8. | State your religion | |
| 9. | From which date have you been employed continuously as a regularly appointed Group 'D' employee? | |
| 10. | State the language (Hindi or English) in which you wish to answer the paper on : | |
| | (i) Short Essay | |
| | (ii) General Knowledge including Geography of India | |

11. Indicate the Centre at which you wish to take the examination.

DECLARATION TO BE SIGNED BY THE CANDIDATE

I, hereby declare that all statements made in this application are true, complete and correct to the best of my knowledge and belief.

Signature of the candidate.

TO BE FILLED BY THE HEAD OF DEPARTMENT OR OFFICE IN WHICH THE CANDIDATE IS SERVING

Certified that :

- (i) the entries made by the candidate in Column (1—9) have been verified with reference to his/her service records and are correct.
 - (ii) It has been verified from his/her service records that he/she belongs to Caste/Tribe in State/Union Territory, in which he and/or his family ordinarily resides.
 - (iii) There are no circumstances rendering him/her unsuitable for appointment as a Lower Division Clerk.
 - (iv) That Shri is a permanent/quasi-permanent/regularly appointed (Group D/Class IV employee) of Ministry/Office participating in the Central Secretariat Clerical Service/Armed Forces Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the Armed Force Headquarters Clerical Service Scheme, the Ministry of External Affairs or the Department of Parliamentary Affairs with effect from and has been continuously employed as a with effect from
 - (v) * that Shri a permanent/quasi-permanent regularly appointed (Group D/Class IV Employee) of this Office, is eligible for being appointed as Lower Division Clerk according to the recruitment rules of this office and for which vacancies exist in this office.
- * Applicable only in the case of a candidate from Subordinate Offices.

2. Certified also that he/she had submitted his/her application to the Department/Office on for onward transmission to the Commission.

Signature

Name

Designation

Department/
Office.

Place

(This endorsement should be signed by the Head of Department/Office).

Sd/-
(H.L. AGGARWAL),
Under Secretary.